घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 34- गुरूवार 04- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सली ढेर...3 जवान शहीद

मोदी-शाह की स्ट्रैटजी के चौथे दिन बड़ा एनकाउंटर,सभी नक्सलियों के शव,हथियार बरामद

बीजापुर,03 दिसंबर 2025। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। वहीं,एनकाउंटर में DRG के 3 जवान शहीद और 2 घायल हो गए हैं। बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी. ने पुष्टि की है। बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी.ने बताया कि एनकाउंटर में बीजापुर DRG के जवान हेड कॉन्स्टेबल मोनू वडारी, रमेश सोड़ी और कॉन्स्टेबल दुकारू गोंडे शहीद हो गए। गंगालूर थाना इलाके के जंगलों में जवानों की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है। एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि DRG, STF, COBRA और CRPF की जॉइंट टीम बुधवार सुबह 9 बजे से बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर के वेस्ट बस्तर डिवीजन इलाके में सर्च ऑपरेशन पर थी। जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू की। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए। वहीं सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज हमारे बहादुर जवानों की बहादुरी से इतिहास लिखा जा रहा है। नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसें ले रहा है। उन्होंने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी। छत्तीसगढ़ में 4 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय मंत्री अमित शाह और NSA डोभाल समेत कई हस्तियां DGP कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। मीटिंग में नक्सलवाद को खत्म करने की स्ट्रैटजी पर चर्चा की गई थी। अब इसके नतीजे दिख रहे हैं। हालांकि, शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन पहले ही तय कर दी है।

राइफल और गोला-बारूद भी बरामद...

एसपी ने बताया कि जवानों ने एनकाउंटर वाली जगह से एसएलआर राइफल, 303 राइफल और गोला-बारूद भी बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मौके पर सर्च जारी है। इलाके को सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बैकअप पार्टी भी भेजी गई है। ऑपरेशन अभी भी जारी है,इसलिए डिटेल्स शेयर नहीं की जा सकतीं। ऑपरेशन पूरा होने के बाद डिटेल्ड अपडेट जारी किया जाएगा।

18 नवंबर को मारा गया था खूंखार नक्सली हिड़मा...

देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल माड़वी हिड़मा छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर 18 नवंबर को मरेडमिल्ली जंगल में एनकाउंटर में मारा गया। जवानों ने हिड़मा की पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों को भी ढेर किया था।

हिड़मा को खत्म करने तय थी डेडलाइन...

गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को हिड़मा को खत्म करने के लिए 30 नवंबर तक की डेडलाइन दी थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित मरेडमिल्ली के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इसी ऑपरेशन में हिड़मा डेडलाइन से 12 दिन पहले ही मारा गया। हिड़मा पिछले 2 दशक में हुए 26 से ज्यादा बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2010 दंतेवाड़ा हमला भी शामिल है, जिसमें 76 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे।

संचार साथी ऐप मोबाइल में प्री-इंस्टॉल अनिवार्य नहीं,सरकार ने बदला नियम

नई दिल्ली,03 दिसंबर 2025। संचार साथी ऐप को मोबाइल फोन पर अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने के आदेश पर विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने इस नियम को हटा दिया है। इसकी जानकारी केंद्रीय संचार मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार ने सभी नागरिकों को साइबर सिक्योरिटी देने के इरादे से सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना जरूरी कर दिया था। यह ऐप सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया में गलत लोगों से बचाना है। यह सभी नागरिकों को ऐसे गलत लोगों और कामों की रिपोर्ट करने में जन भागीदारी में मदद करता है,साथ ही यूज़र्स को भी बचाता है। ऐप में यूज़र्स को बचाने के अलावा कोई और काम नहीं है और वे अपने फोन से इसे हटा सकते हैं। इससे पहले संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद भवन में एक सवाल के जवाब में कहा कि संचार साथी ऐप का उद्देश्य सकारात्मक और लोक हितैषी है ना कि इसका मकसद स्नूपिंग करना है। उपभोक्ता चाहे तो संचार साथी ऐप को अपने फोन से डिलीट भी कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक 1.4 करोड़ से अधिक लोग इस ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं और हर दिन लगभग 2 हजार धोखाधड़ी की घटनाओं की जानकारी साझा कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे में छह लाख लोगों ने ऐप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण किया।

खतरनाक स्तर के करीब दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता,एक्यूआई 342

नई दिल्ली,03 दिसंबर 2025। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। राजधानी में बुधवार शाम हवा की गुणवत्ता सूचकांक 342 रही,जो बेहद खराब श्रेणी में आती है। तापमान में गिरावट और हवा की धीमी गति के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार,दक्षिण दिल्ली के नेहरू नगर में वायु गुणवत्ता सबसे खराब रही, जहां 436 का सूचकांक दर्ज किया गया। मुंडका में 391, बवाना में 401, जहांगीरपुरी में 405, वजीरपुर में 402, रोहिणी में 418 और डीटीयू में 383 दर्ज किया गया। आनंद विहार में 402 और पंजाबी बाग में 381 दर्ज किया गया,जो बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में आते हैं। दिल्ली एनसीआर के अलग-अलग शहर भी प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित रहे। गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में 324, हापुड़ में 363 और चरखी दादरी में 303 का वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज हुआ। सभी शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। 03 दिसंबर की शाम से 06 दिसंबर तक मौसम ठंडा और आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। पहले दिन हल्की धुंध रहेगी। अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 05 से 07 डिग्री के आसपास रहेगा। हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। गुरुवार 04 दिसंबर को दिन मुख्यतः साफ रहेगा, सुबह हल्का कोहरा और कुछ स्थानों पर शीत लहर का असर रहेगा। अधिकतम तापमान 22 से 24 और न्यूनतम 05 से 07 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

प. बंगाल में 32000 टीचर्स की नौकरी नहीं जाएगी

कोर्ट बोला...नौकरी छीनने से परिवार पर असर कलकत्ता हाईकोर्ट ने 2023 का फैसला पलटा

कोलकाता,03 दिसंबर 2025। पश्चिम बंगाल में 32000 प्राइमरी टीचर्स की नौकरी अब नहीं जाएगी। कलकत्ता हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने बुधवार को 2023 का फैसला पलट दिया। जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस रीताब्रत कुमार मित्रा की बेंच ने कहा कि 9 साल बाद नौकरी खत्म करने का प्राइमरी टीचरों और उनके परिवारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। 2023 में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय की सिंगल बेंच ने 2016 में भर्ती हुए टीचरों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। इस भर्ती के खिलाफ कुछ कैंडिडेट ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। पिटीशनर्स का आरोप था कि प्राइमरी एजुकेशन बोर्ड ने सिलेक्शन प्रोसेस में गड़बड़ी की थी। हालांकि डिवीजन बेंच ने कहा कि वह सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि सभी भर्तियों में अनियमितताएं साबित नहीं हुई हैं। इन टीचरों की भर्ती 2016 में पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन ने 2014 के टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट पैनल के जरिए की थीं। कोर्ट ने कहा कि सीबीआई को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था। जांच एजेंसी ने शुरू में 264 अपॉइंटमेंट की पहचान की जिन्हें एक एक्स्ट्रा मार्क दिया गया था। जांच एजेंसी को अब तक कोई सबूत नहीं मिला है कि बाहरी संस्थाओं के निर्देशों के तहत मार्क दिए गए थे।

संसद के तीसरे दिन हाई वोल्टेज ड्रामा, विपक्ष ने 'लेबर लॉ' पर किया हंगामा

तीन श्रम कानूनों के खिलाफ कांग्रेस-इंडी गठबंधन का संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन

नई दिल्ली,03 दिसंबर 2025। संसद के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन के नेताओं ने तीन नए श्रम कानूनों के खिलाफ मकर द्वार के पास विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी,कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी,केसी वेणुगोपाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई,प्रमोद तिवारी सहित कई दलों के वरिष्ठ नेता प्रदर्शन में शामिल हुए। नेता कतारबद्ध होकर हाथों में पोस्टर और बैनर लिए श्रमिकों के हक़ बचाओ, कॉपोरेट जंगलराज को ना कहें',श्रमिक न्याय हो, श्रमिक विरोधी कानून वापस लो' जैसे नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारियों ने श्रम कानूनों को खत्म करने की मांग करते हुए संसद परिसर में जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेस और इंडी गठबंधन नए नए श्रम कानूनों पर श्रमिकों के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाते हैं।

प्रिविलेज मोशन के सवाल पर रेणुका चौधरी बोलीं...भौ-भौ,और क्या बोलूं...

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने बुधवार को कुतों से जुड़े टिप्पणी को लेकर राज्यसभा में उनके खिलाफ प्रिविलेज मोशन लाने की तैयारी के सवाल पर अजीबोगरीब प्रतिक्रिया दी। दरअसल एक पत्रकार ने रेणुका से पूछा... आपके खिलाफ प्रिविलेज मोशन लाने पर विचार हो रहा है। इस पर क्या कहेंगी? रेणुका ने कहा...भौ-भौ,और क्या बोलूं? कांग्रेस सांसद ने आगे कहा...जब आएगा तब देखा जाएगा। अभी क्या जवाब दूं। जब आएगा तब मुंहतोड़ जवाब दूंगी। चर्चा के लिए और भी और भी जरूरी मुद्दे हैं, फिर भी ऐसा लगता है कि हर कोई कुत्ते से परेशान है। दरअसल,शीतकालीन सत्र के पहले दिन 1 दिसंबर को रेणुका चौधरी अपने साथ कार में एक कुत्ता लेकर पहुंची थीं। रेणुका से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा...ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और डसने वाले संसद में,कुत्ते नहीं।

प्रियंका बोलीं...वायु प्रदूषण राजनीतिक मामला नहीं,संसद में चर्चा हो...

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायु प्रदूषण पर कहा- मैं हर दिन कहती हूं कि सबको मिलकर इस मुद्दे पर कुछ करना चाहिए। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। संसद में इस पर चर्चा होनी चाहिए और ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

कांग्रेस सांसद बोले...जब तक प्रदूषण पर चर्चा नहीं होती,गैस मास्क पहनकर आएंगे

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा... आज ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि हम इस जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। हम मांग करते हैं कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए और प्रधानमंत्री इस पर आगे आएं। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों का एक समूह बनाया जाए और दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बजट आवंटन के साथ एक योजना बनाई जाए।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों के साथ बैठक की...अभी से चुनावी तैयारी पर जोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संसद परिसर में पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी के संसदों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थितियों को देखते हुए पार्टी को जनता के साथ अपने रिश्ते मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने साल 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर सांसदों से बात की। उन्होंने विस्तृत प्रेजेंटेशन्स तैयार करने और पूरी जमीनी तैयारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को बताने के भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद भाजपा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों के साथ बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने सांसदों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाना चाहिए। इसके साथ सांसदों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रह कर केंद्र की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसद खगेन मुर्मु के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा सांसद खगेन मुर्मु पर हुए हमले जैसी घटनाओं को जनता के बीच ठीक से रखें, ताकि लोग समझ सकें कि तृणमूल कांग्रेस की तरफ से किस तरह की हिंसा हो रही है। शामिक भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ जनभागीदारी बढ़ाने पर भी ध्यान देने को कहा है।

दिव्यांगजन के प्रति जागरूक व सक्रिय रहने से सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को मिलेगा बल : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 03 दिसंबर 2025। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि सरकार के साथ-साथ समाज को भी दिव्यांगजन के हित में जागरूक और सक्रिय रहना चाहिए। इससे सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को बल मिलेगा। राष्ट्रपति ने आज दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन संवेदनशीलता और करुणा के पात्र नहीं हैं बल्कि बराबरी के हकदार हैं। हितधारकों का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि समाज और देश की विकास यात्रा में वे समान रूप से भागीदारी कर सकें। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान खेल-कूद के क्षेत्र में हमारे दिव्यांग बेटे-

बेटियों ने बहुत तेजी से प्रगति के प्रतिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2012 के पैरालंपिक में भारत को एक पदक प्राप्त हुआ था। समाज और सरकार की सजगता और सक्रियता के परिणाम-स्वरूप वर्ष 2024 के पैरालंपिक हमारे खिलाड़ियों ने 29 पदक प्राप्त किए। राष्ट्रपति ने बताया कि वर्ष 2024 में राष्ट्रपति भवन में एक कैफेटेरिया की शुरुआत की गई।

देश के 7 एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित

100 से ज्यादा फ्लाइट में देरी या कैंसिल,कहीं तकनीकी वजह तो कहीं क्रू की कमी

नई दिल्ली,03 दिसंबर 2025। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को 100 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें बेंगलुरु और मुंबई हवाईअड्डों से जाने वाली उड़ानें भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्य रूप से चालक दल की कमी के कारण विमानों को रद्द करना पड़ा। इंडिगो की कई उड़ानें विभिन्न हवाई अड्डों पर लेट रहीं,क्योंकि कंपनी को अपनी उड़ानों के संचालन के लिए चालक दल जुटाने में परेशानी हुई। इंडिगो ने भी स्वीकार किया है कि उड़ानें रद्द की गई हैं और देरी हुई है।

इंडिगो के प्रवक्ता बोले...तकनीकी खामियों के कारण परेशानी

एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'पिछले कुछ दिनों में प्रौद्योगिकी संबंधी समस्याओं,हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं सहित विभिन्न कारणों से कई उड़ानों में अपरिहार्य देरी हुई है और

कुछ उड़ानें रद्द हुई हैं।' पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि एफडीटीएल मानदंडों के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के बाद से इंडिगो को चालक दल की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हो रही हैं और परिचालन में भारी देरी हो रही है। सूत्र ने कहा, 'एयरलाइन के लिए मंगलवार को स्थिति खराब हो गई और बुधवार को यह कमी और भी बदतर हो गई, जब देश के विभिन्न हवाई अड्डों से कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और देरी से उड़ान भरी गई। '

एयरलाइन ने यात्रियों की असुविधा के लिए खेद जताया

परिचालन संबंधी महत्वपूर्ण व्यवधानों का सामना कर रही देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि उसने परिचालन को सामान्य करने के लिए अगले 48 घंटों के लिए अपने समय-सारिणी में सुनियोजित तरीके से बदलाव किया है। सूत्रों के अनुसार,अगले 48 घंटों के लिए एयरलाइन समायोजन के तहत उड़ानों को रद्द करेगी या उनके समय में बदलाव करेगी। बुधवार को अपने दूसरे बयान में इंडिगो के प्रवक्ता ने स्वीकार किया कि पिछले दो दिनों से पूरे नेटवर्क में उसका परिचालन काफी बाधित रहा है, और उन्होंने यात्रियों से असुविधा के लिए खेद जताया।

कांग्रेस ने मोदी का चाय बेचते एआई वीडियो पोस्ट किया

'चाय बोलो,चाय चाहिए' बोलते दिखाया,भाजपा बोली...शर्मनाक,जनता कभी माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली,03 दिसंबर 2025। कांग्रेस ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चाय बेचते हुए एकएआई जनरेटेड वीडियो पोस्ट किया है। इसमें पीएम को चायवाला दिखाया गया है। उनके हाथ में चाय की केतली है। दूसरे हाथ में ग्लास है। वीडियो में मोदी? को जोर-जोर से 'चाय बोलो, चाय-चाय चाहिए' बोलते दिखाया गया गया है।एआई वीडियो में पीएम रेड कारपेट पर चल रहे हैं। उनके पीछे भारत सहित कई देशों के झंडे लगे हैं। इनमें भाजपा का भी झंडा है। इसएआई वीडियो को कांग्रेस प्रवक्ता डॉ रागिनी नायक ने

पोस्ट किया है। रागिनी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा-'अब ई कौन किया बे। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा,'नामदार कांग्रेस ओबीसी समुदाय से आने वाले कामदार प्रधानमंत्री को बर्दाश्त नहीं कर सकती। जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस की तरफ से पीएम काएआई वीडियो शेयर किया गया है। इससे पहले 12 सितंबर को बिहार कांग्रेस ने एक्स पर पीएम मोदी और उनकी मां का एक एआई जनरेटेड वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था- साहब के सपनों में आई मां। देखिए रोचक संवाद। वीडियो में दो किरदार दिखाए गए।

नए आधार ऐप में घर बैठे एड्रेस-नाम बदल सकेंगे,मोबाइल नंबर बदलने की सुविधा शुरू,किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं

नई दिल्ली,03 दिसंबर 2025। अब आप घर बैठे आधार कार्ड में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदल सकते हैं। सरकार ने नए आधार एप में इस सुविधा को शुरू कर दिया है। वहीं, एड्रेस, नाम और ईमेल आईडी भी अपडेट करने की फैसिलिटी जल्द शुरू होगी। नई डिजिटल सर्विस की घोषणा आधार को रेगुलेट करने वाली संस्था यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने की है। इन बदलावों के लिए यूजर्स को किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं होगी। एप पर ओटीपी वेरिफिकेशन और फेस ऑथेंटिकेशन से सबकुछ चेंज किया जा सकेगा। इस सर्विस से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोग,सीनियर सिटिजन और माइग्रेट करने वालों को आसानी होगी।

संपादकीय

निजता की चिंता...

क्या केंद्र की सफाई भर से हो जाएगा संचार साथी ऐप पर चिंता का समाधान...

सरकार ने सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप अनिवार्य कर दिया है। इससे लोगों की निजता पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार का कहना है कि यह ऐप धोखाधड़ी रोकने में मदद करेगा। लेकिन,डेटा की सुरक्षा और उसके इस्तेमाल को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना है।

सभी स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप इंस्टॉल करने के सरकारी आदेश को लेकर सबसे बड़ी चिंता गोपनीयता की हैं। चौतरफा विरोध के बाद केंद्र ने भले साफ किया हो कि इस ऐप को अपने फोन में रखना या डिलीट करना यूजर की मर्जी पर निर्भर करता है। लेकिन इससे चिंता का समाधान नहीं होता।

सरकार ने हाल में साइबर सिक्यॉरिटी से जुड़े दो आदेश दिए हैं। पिछले हफ्ते वट्सऐप, टेलिग्राम जैसे सभी कम्युनिकेशन ऐप्स से कहा गया कि वे अपनी सर्विस को सिम कार्ड से जोड़कर रखें यानी ऐप तभी चले, जब मोबाइल में सिम लगा हो। टेलिकम्युनिकेशन कंपनियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। लेकिन,इस बीच आदेश आया कि स्मार्टफोन कंपनियों को हर हाल में नए हैंडसेट में संचार साथी ऐप रखना होगा।

यह आदेश उन सभी कंपनियों के लिए है, जिनके स्मार्टफोन भारत में बिकते हैं। सरकार का कहना है कि इस ऐप के जरिये डिजिटल स्कैम,फर्जी कॉल और दूसरी धोखाधड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी। लेकिन, इसके साथ ही निजता के उल्लंघन की चिंता भी खड़ी होती है। कहीं यह ऐप यूजर्स के निजी जीवन में ताकझांक तो नहीं करेगा?

देश में निजता का अधिकार,मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2017 के अपने एक फैसले में साफ किया है कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता देने वाले संविधान के आर्टिकल 21 में राइट टू प्राइवेसी भी शामिल है। निजता के दायरे में मोबाइल, इंटरनेट और दूसरी डिजिटल जानकारी भी आती है। अगर मामला देश की सुरक्षा या कानून से जुड़ा नहीं है, तो यह हर नागरिक का हक है कि वह डिजिटल स्पेस में किसे एंट्री देता है और किसे नहीं।

इसी तरह, साल 2018 में जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मोबाइल और निजी कंपनियां आधार कार्ड नहीं मांग सकती,और आधार को बैंक अकाउंट से लिंक करने का फैसला भी रद्द कर दिया था,तो उसे निजता के अधिकार की जीत माना गया। फिर, मौजूदा मामले में निजता के साथ सुरक्षा भी जुड़ी है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस ऐप का इस्तेमाल किस तरह होगा, यूजर का किस तरह का डेटा सरकार तक पहुंचेगा, उस डेटा को कहां स्टोर किया जाएगा और उसका कैसा इस्तेमाल होगा।

डिजिटल युग में डेटा सबसे कीमती है। बीते बरसों में याहू,फेसबुक,लिंविडन के सर्वर में सेंध लगाकर करोड़ों यूजर्स का डेटा हैक किया जा चुका है। सरकार ने इससे बचने के लिए क्या इंतजाम किए हैं? केंद्र को इन सारे सवालों के जवाब देने होंगे, खुद गोपनीयता की आड़ में बचने से काम नहीं चलेगा

भारतीय नौसेना दिवस 4 दिसम्बर... पर विशेष

भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के पराक्रम की अमर गाथा

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे। भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से

तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर नौसेना दिवस को भव्य और अद्वितीय ऑपरेशनल प्रदर्शन के रूप में मना रही है। यह आयोजन न केवल 1971 के ऐतिहासिक युद्ध विजय को स्मरण करेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उभरती सामरिक शक्ति और बे ते समुद्री प्रभाव का भी प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर सतह पोतों, पनडुब्बियों और हवाई युद्धक क्षमताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जो नौसेना की बहु-क्षेत्रीय तत्परता और सटीक सैन्य संचालन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। पूरे प्रदर्शन का केंद्रबिंदु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना होगी। स्वदेशी जहाजों, हथियार प्रणालियों और तकनीकी प्लेटफॉर्म की प्रस्तुति यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारतीय नौसेना 'मेक इन इंडिया' की आत्मा को वास्तविक शक्ति में बदल रही है। यह आयोजन न केवल तकनीकी उत्कृष्टता,संसाधन क्षमता और ऊर्जावान रणनीतिक सोच का परिचायक बनेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' के रूप में स्थापित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। यह भव्य प्रदर्शन उन वीर पुरुषों और महिलाओं को नमन है, जो अनुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के साथ समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह भारतीय नौसेना को एक आधुनिक,आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सदा तत्पर बल के रूप में स्थापित करने का सशक्त घोष है।भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों,सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बे में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी,खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर,भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

मसूरी में 600 प्रशिक्षु आईएएस और एक सवाल

उंगलियों पर हल होने वाला सवाल और भविष्य के प्रशासकों की तैयारी का सच...

- मसूरी से उठता सवाल क्या हमारी प्रशासनिक शिक्षा केवल पुस्तकीय हो गई है? मसूरी में 600 प्रशिक्षु और एक सवाल जिसने सबको सोचने पर मजबूर किया। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वास्तविक लक्ष्य 'थिंकिंग एडमिनिस्ट्रेटर' तैयार करना। प्रशिक्षण का अर्थ केवल पाठ नहीं।
- मसूरी की कक्षाओं में उठा एक छोटा-सा सवाल,बड़ी सीख...प्रशासनिक प्रशिक्षण का आईना- जब लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में एक साधारण सवाल ने बड़ा संदेश दिया। उत्तराखंड के मसूरी में 100वाँ फाउंडेशन कोर्स और नेतृत्व की बुनियादी समझ पर गहरा संकेत।

प्रियंका सौरभ
हिसार (हरियाणा)

उत्तराखंड के शांत,अनुशासित और सुसंस्कृत वातावरण में स्थित मसूरी का प्रसिद्ध प्रशासनिक अकादमी परिसर–लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी–देश के सर्वोच्च सिविल सेवकों के निर्माण का केंद्र बिंदु है। यहाँ आज भी 600 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारी भविष्य के भारतीय प्रशासन की रूपरेखा तय करने की तैयारी में डटे हैं। हाल ही में 100वें फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह आयोजित किया गया, जो किसी भी संस्थान के लिए गौरव का क्षण होता है। इस अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ा दी। समारोह के दौरान रक्षा मंत्री ने एक सरल-सा गणितीय प्रश्न पूछा–एक आदमी के पास कुछ पैसे थे। उसने आधा ए को,एक-तिहाई बी को और शेष 100 रुपये सी को दिए। बताइए,कुल पैसा कितना था? दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाला यह सीधा-सा सवाल प्रशिक्षुओं के लिए अप्रत्याशित सिद्ध हुआ। कई प्रशिक्षु अधिकारी प्रश्न में उलझ गए, जबकि समाधान उंगलियों पर किया जा सकता था। बाद में स्वयं राजनाथ सिंह ने इसे सरल तरीके से हल कर समझाया। यह घटना भले ही साधारण प्रतीत हो, पर प्रशासनिक प्रशिक्षण और नेतृत्व क्षमता की वास्तविक दिशा पर यह बेहद महत्त्वपूर्ण संकेत देती है। प्रशासनिक कार्यों का मूल तत्व केवल कानून और नियमों का ज्ञान नहीं, बल्कि तुरंत समझने, तर्क लागू करने और व्यवहारिक समाधान निकालने की क्षमता है। कभी-कभी सबसे कठिन परिस्थितियों में सर्वाधिक सरल समाधान ही सर्वश्रेष्ठ होता है–पर इसके लिए मन का खुलापन और व्यावहारिक सोच आवश्यक होती है। यही गुण एक सक्षम प्रशासक को भीड़ से अलग करता है।

यह घटना इस बात का स्मरण भी कराती है कि सिविल सेवा केवल अकादमिक बौद्धिकता का अभ्यास नहीं है; यह मानव स्वभाव, सामाजिक व्यवहार, त्वरित निर्णय-क्षमता और सामान्य समझ की माँग भी करती है। किसी भी शासन प्रणाली में सबसे प्रभावशाली अधिकारी वही होता है जो जटिल समस्याओं को सरलता से हल करने की क्षमता रखता हो।

प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं,बल्कि व्यवहारिक बुद्धि का विकास भी है। एक छोटा सा प्रश्न प्रशिक्षुओं को यह याद दिलाता है कि वास्तविक प्रशासन वही है जो खेत-खलिहान,बाज़ार,थाने, पंचायत भवन और कार्यालयों में घटित होता है–जहाँ जटिलताएँ कम और सादगी अधिक काम आती है।

राजनाथ सिंह द्वारा पूछा गया प्रश्न प्रशासनिक सोच के दो महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है...

पहला,अधिकारी का ध्यान समस्या के मूल की ओर होना चाहिए,न कि उसकी सतही जटिलता की ओर।

दूसरा,किसी भी चुनौती में घबराना नहीं,बल्कि उसे विभाजित कर सरल रूप में हल करना चाहिए।

सिविल सेवाओं में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब अधिकारी को अचानक लिए गए निर्णयों के आधार पर जनता को राहत, दिशा और सुरक्षा प्रदान करनी होती है। यदि वह क्षणिक दबाव में भी सामान्य तर्क बनाए रखने में दक्ष है, तो वह बेहतर प्रशासक बन सकता है। यह प्रसंग इस व्यापक प्रश्न को भी जन्म देता है कि आधुनिक प्रशिक्षण पद्धति कहीं अत्यधिक तकनीकी,सैद्धांतिक या औपचारिक तो नहीं हो गई है? क्या हम प्रशासन के मूल तत्व–सरलता, संवेदनशीलता और सामान्य विवेक–को नजरअंदाज तो नहीं कर रहे? सिविल सेवा का इतिहास बताता है कि देश के श्रेष्ठ अधिकारी वही रहे, जिन्होंने अत्यधिक बुद्धि के साथ-साथ सरल सोच, जन-संपर्क की क्षमता और सहज निर्णय-प्रक्रिया अपनाई। आज जब देश नई चुनौतियों–प्रौद्योगिकी, जटिल प्रशासनिक व्यवस्था, विस्तृत जनसंख्या और त्वरित परिवर्तनों–से गुजर रहा है,तब एक प्रशासक की भूमिका और भी विस्तृत और बहुआयामी हो चुकी है। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि प्रशिक्षण केवल परीक्षाओं और पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो। उसमें व्यवहारिक गणित, तर्कशक्ति,सामान्य समझ, मनोवैज्ञानिक संतुलन और परिस्थितिजन्य विश्लेषण को भी समुचित स्थान मिले। राजनाथ सिंह द्वारा हल्का-सा पूछा गया यह प्रश्न प्रशासनिक तंत्र को यह संदेश देता है कि नेतृत्व की असल परीक्षा कभी-कभी छोटे-छोटे क्षणों में ही होती है। बड़े निर्णयों का आधार भी वही अधिकारी बनता है जो बेसिक समझ को खोने नहीं देता। इस प्रसंग से यह भी स्पष्ट होता है कि प्रशिक्षण के दौरान आने वाले ऐसे अप्रत्याशित प्रश्न अधिकारी के मन को गति देते हैं,उसे दबाव में सोचने की क्षमता प्रदान करते हैं और वास्तविक प्रशासनिक दुनिया के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं।

समय के साथ यह आवश्यक हो गया है कि सिविल सेवा प्रशिक्षण अकादमियाँ इस प्रकार के संवाद, प्रश्न-आधारित परीक्षण और व्यवहारिक अभ्यास को और भी अधिक बढ़ाएँ। इससे अधिकारी न केवल जनसेवा के लिए अधिक तैयार होंगे बल्कि प्रशासनिक जटिलताओं को सहजता से हल करने की क्षमता भी विकसित करेंगे। निष्कर्षतः,मसूरी में घटित यह छोटा-सा घटना क्रम इस बात का प्रतीक है कि नेतृत्व की ताकत केवल बड़े भाषणों या उच्च ज्ञान में नहीं, बल्कि सरल तर्क और मौलिक समझ में भी निहित होती है। सिविल सेवा के भविष्य को आकार देने वाले प्रशिक्षुओं के लिए यह एक स्मरणीय संदेश है–प्रशासन की महानता सरलता में है,न कि जटिलता में।

वेडिंग सीजन शहनाइयों की गूंज,बाजार की रौनक...

डॉ विजय गर्ग,मलोट पंजाब

देश में वेडिंग सीज़न का आगाज़ हो चुका है। देवउठनी एकादशी से शुरू हुआ यह उत्सव 15 दिसंबर तक जारी रहेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान भारत में करीब 46 लाख शादियां होंगी जिनमें लगभग 6.5 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होगा। इस खर्च का बड़ा हिस्सा खानपान, कैटरिंग व ज्वैलरी खरीद में जाता है,साथ ही छोटे व्यवसायियों व मेहनतकश लोगों तक पहुंचता है। शहनाइयों के साथ तकनीकी का भी बोलबाला है। दरअसल भारतीय शादियां सिर्फ दो रूहों का मिलन नहीं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सालाना 'बूस्टर डोज़' है।

नवंबर की हल्की सर्द शामें,हवा में घुलती धुंध और दूर कहीं से आती ब्रास बैंड की तेज़ आवाज़। अगर आप भारत के किसी भी शहर,कस्बे या गांव में रहते हैं, तो पिछले कुछ दिनों में आपने महसूस किया होगा कि हवा का रुख बदल गया है। सड़कें जाम हैं,बाज़ारों में पैर रखने की जगह नहीं,और रात के सन्नाटे में डीजे का शोर अक्सर नींद में खलल डाल रहा है। पहली नज़र में यह सब अराजक लग सकता है। ट्रैफिक में फंसा एक आम आदमी इसे 'परेशानी' का नाम दे सकता है। लेकिन अगर आप थोड़ा गौर से उस शोर को सुनें, तो उसमें एक उम्मीद की धुन सुनाई देगी। यह धुन है-भारतीय अर्थव्यवस्था के पहियों के घूमने की।

भारत में 'द ग्रेट इंडियन वेडिंग सीज़न' का आगाज़ हो चुका है। देवउठनी एकादशी के साथ ही शुरू हुआ यह उत्सव 15 दिसंबर तक पूरी रफ़्तार पर रहेगा। लेकिन इस साल यह शोर थोड़ा अलग है,थोड़ा ज़्यादा है। यह सिर्फ दो दिलों या दो परिवारों का मिलन नहीं रह गया,यह मंदी की आहटों के बीच भारतीय बाज़ार का सबसे बड़ा 'सेलिब्रेशन' बन गया है। तो आज दूल्हे की शेरवानी के रंग या दुल्हन के गहनों की चमक पर बात नहीं करेंगे,बल्कि उस अर्थशास्त्र, उस तकनीक और उस बदलते सामाजिक ताने-बाने की पड़ताल करेंगे जो इन शामियानों के पीछे छिपा है।

जब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं सहमी हुई हैं, बड़े-बड़े देश 'रिसेशन' शब्द से कांप रहे हैं, तब भारत अपनी मस्ती में झूम रहा है। 'कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स' (कैट) ने हाल ही में जो रिपोर्ट जारी की है, वह किसी भी अर्थशास्त्री को सोचने पर मजबूर कर दे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक नवंबर से 15 दिसंबर के बीच भारत में करीब 46 लाख शादियां होने का अनुमान है। अगर हम इसे पिछले साल के आंकड़ों से तुलना करें, तो यह एक बड़ी छलांग है। लेकिन असली कहानी इन शादियों की संख्या में नहीं,बल्कि उन पर होने वाले खर्च में है। अनुमान है कि इन 46 लाख शादियों में करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होगा।

ज़रा इस आंकड़े को गहराई से समझें। यह रकम दुनिया के कई छोटे देशों की कुल जीडीपी से भी ज़्यादा है। इतनी बड़ी कि भारत के कई मंत्रालयों के सालाना बजट को भी पीछे छोड़ देती है। यह प्रमाण है कि भारतीय समाज में 'उपभोग' की भूख अभी शांत नहीं हुई। महंगाई और मंदी की तमाम खबरों के बीच, भारतीय परिवार अपनी परंपराओं और खुशियों पर खर्च करने में कोई कोताही नहीं बरत रहे।

अक्सर जब हम 'बिग फैट इंडियन वेडिंग' की बात करते हैं, तो हमारी आंखों के सामने फाइव-स्टार होटल्स, विदेशी फूल और महंगी गाड़ियां आती हैं। लगता है कि यह पैसा अमीरों की जेब से निकलकर अमीरों की जेब में ही जा रहा है। लेकिन हकीकत इससे अलग और सुखद है।

शादियों का यह अर्थशास्त्र असल में धन के वितरण का बेहतरीन उदाहरण है। जब एक मध्यमवर्गीय पिता अपनी बेटी की शादी के लिए बैंक से अपनी जीवनभर की जमापूंजी निकालता है, तो वह पैसा समाज की नसों में दौड़ने लगता है। कैट का डेटा बताता है, कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा, करीब 10 प्रतिशत, खानपान और कैटरिंग पर व्यय होता है। करीब 15 प्रतिशत हिस्सा ज्वैलरी की खरीद में जाता है। लेकिन जरा ध्यान दीजिये उन 'अदृश्य हाथों' की तरफ जो इस उत्सव को संभव बनाते हैं। ज़रा उस टेंट लगाने वाले मज़दूर के बारे में सोचिए जो बांस और रस्सियों के सहारे शामियाना खड़ा करता है। उस बिजली वाले के बारे सोचिए जो झालरें लगाता है। उस फूल वाले के बारे में, उस नाई, उस धोबी, उस रिक्शा चालक, और स्थानीय पंडित जी के बारे में सोचिए। एक औसत शादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 50 से 100 लोगों को रोज़गार देती है।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले फिसड्डी साबित हुआ

सुभाष बुड़ावन वाला,रतलाम.मध्यप्रदेश

महोदय,03दिसंबर 2025 भारतीय रुपये के लिए बेहद चिंताजनक दिन साबित हुआ जब शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.29 के इतिहासिक निचले स्तर पर फिसल गया और यह लगातार तीसरा रिकॉर्ड लो था जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोर नब्ज़ को साफ-साफ दिखा दिया। डॉलर की मजबूती,विदेशी निवेश की निकासी,व्यापार घाटे में बढ़ोतरी और वैश्विक अनिश्चितताओं ने मिलकर रुपये को कमजोर किया, जिसका सीधा असर आम आदमी से लेकर उद्योगों तक सब पर पड़ रहा है।

रुपये की कमजोरी का सबसे बड़ा दबाव आयातित वस्तुओं पर बढ़ने वाली लागत है क्योंकि भारत पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस,इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपभोक्ता सामान सहित बड़ी मात्रा में उत्पाद विदेशों से लाता है और चूंकि भुगतान डॉलर में होता है, इसलिए हर डॉलर महंगा होने का मतलब है कि हर वस्तु महंगी। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़त से लेकर रसोई गैस, बिजली के दाम, सरकारी परिवहन लागत और अंततः रोजमर्रा के खाद्यान्न तक महंगाई अपना असर दिखाना शुरू कर देती है। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल, टीवी, फ्रिज, किचन अप्लायंसेज जैसी चीज़ें भी महंगी हो जाती हैं,क्योंकि इनके निर्माण में लगने वाले ज्यादातर पुर्जे,जैसे सेमीकंडक्टर,चिप्स, डिस्प्ले और प्रोसेसर, डॉलर में खरीदे जाते हैं। कंपनियाँ बढ़ी हुई लागत को उपभोक्ताओं पर डालती हैं और एक साधारण परिवार का बजट अचानक बिखर जाता है। यही नहीं बल्कि विदेश में पढ़ाई और विदेश यात्रा भी महंगी होती जाती है क्योंकि फीस, रहने-खाने और सेवाओं का भुगतान डॉलर में होता है। अगर किसी ने विदेश से कर्ज़ लिया है तो रुपये की गिरावट उस कर्ज़ को और महंगा बना देती है, जिससे आम कमाने वाले परिवारों पर बड़ा आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। दूसरी ओर शेयर बाज़ार में भी रुपये की कमजोरी दो तरफा असर डालती है.

आईटी और फार्मा जैसे निर्यात आधारित सेक्टरों को इससे लाभ मिलता है क्योंकि उनकी कमाई डॉलर में होती है, लेकिन आयात पर निर्भर उद्योगों पर भारी दबाव बढ़ता है। कमजोर रुपया आमतौर पर आरबीआई को ब्याज दरें बढ़ाने पर मजबूर करता है ताकि महंगाई को काबू में रखा जा सके,लेकिन ब्याज दर बढ़ने से बैंक लोन,होम,ऑटो, एजुकेशन,सब महंगे हो जाते हैं, जिससे आम जनता की जेब पर और भार पड़ता है। आजादी के समय एक रुपया डॉलर के बराबर था लेकिन आज रुपया 90 गुना कमजोर हो चुका है। और आर्थिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि वैश्विक परिस्थितियाँ और घरेलू आर्थिक दबाव ऐसे ही बने रहे तो डॉलर के मुकाबले रुपये का स्तर 100 तक भी जा सकता है,जिसका अर्थ होगा कि बैंक में मिलने वाला ब्याज भी रुपये की वास्तविक क्रय शक्ति की गिरावट से खत्म हो जाएगा। सोने-चांदी के मौजूदा भावों से भी साफ है कि रुपया धातुओं और वस्तुओं के मूल्य के सामने तेजी से कमजोर होता जा रहा है, जिससे संपत्ति की असली कीमत लगातार क्षीण होती दिख रही है। आज की स्थिति यह है कि भारत में एक लाख रुपये वाली आय वाला परिवार महंगाई और रुपये की कीमत गिरने के बाद गरीबी रेखा के पास खड़ा हो जाता है,जबकि एक लाख डॉलर वार्षिक आय वाला परिवार करोड़पति माना जाता है,यह अंतर दर्शाता है कि मजबूत जीडीपी आंकड़ों के बावजूद आम आदमी की आर्थिक वास्तविकता कमज़ोर हो रही है। रुपये की गिरावट सिर्फ एक आंकड़ा नहीं बल्कि देश की आर्थिक स्थिरता,खरीद शक्ति, निवेश माहौल और भविष्य की योजनाओं पर गहरा असर डालने वाला संकेत है, इसलिए जरूरी है कि नीति-निर्माता निर्यात को मज़बूत करें,आयात पर निर्भरता कम करें,घरेलू उत्पादन बढ़ाएं और आर्थिक सुधारों को तेज़ी से लागू करें ताकि रुपये को स्थिरता मिल सके और आम नागरिक की आर्थिक सुरक्षा कमजोर न पड़े!

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

अमेरा कोल माइंसः खदान का धुआं,गुस्से की आग...और पत्थरों की बरसात

अमेरा कोल खदान विस्तार पर बवालः ग्रामीणों के पथराव में 2 दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल

- ग्रामीण भी हुए घायल,लाठी-डंडे और पत्थरबाजी से क्षेत्र में तनाव,प्रशासन-पुलिस के शीर्ष अधिकारी मौके पर
- 200 से अधिक पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों का धावा...अमेरा माइंस विस्तार फिर बना रणभूमि
- बिना भूमि अधिग्रहण खनन का आरोप...ग्रामीणों की चेतावनीःजमीन नहीं देंगे...
- स्थिति बेकाबूःपुलिस ने मंगाए आंसू गैस के गोले,प्रशासनिक अमला मौके पर डटा...

-न्यूज डेस्क-

अंबिकापुर/लखनपुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमेरा कोल माइंस विस्तार को लेकर बुधवार का दिन हिंसक टकराव में बदल गया। ग्राम परसोड़ीकला में कोल कंपनी द्वारा खनन कार्य जारी था, इसी दौरान ग्रामीणों का विशाल समूह अचानक खदान क्षेत्र में पहुंच गया। पहले नारेबाजी हुई,फिर बहसबाजी और देखते ही देखते माहौल पूरी तरह बेकाबू हो गया,ग्रामीणों ने पुलिस दल पर अचानक तेज पत्थरबाजी शुरू कर दी,लाठी-डंडे भी चलाए गए,इस हमले में दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए, ग्रामीण पक्ष के भी कई लोग पत्थर और लाठी लगने से चोटिल हुए हैं।

बता दे की परसोड़ीकला का माहौल बुधवार दोपहर अचानक ऐसा बदल गया मानो खदान के मुहाने पर नहीं,किसी युद्धभूमि के प्रवेशद्वार पर खड़ा हो गया हो। हवा में कोयले की धूल थी,लेकिन उससे भी भारी था ग्रामीणों का आक्रोश। सूरज सिर पर था, आवाजें तेज थीं और खदान क्षेत्र की सड़क पर भीड़ हर मिनट बढ़ रही थी,सुबह खदान में मशीनों की आवाज सामान्य थी, डंपर चल रहे थे,ड्रिल मशीनें गड़गड़ा रही थीं, और खदान विस्तार का काम चल रहा था, लेकिन 11 बजे के बाद,मुख्य गेट के पास ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा,महिलाएँ सिर पर गमछा बाँधे,पुरुष हाथ में लाठी-डंडा पकड़े और युवा पत्थर उठाए हुए...सब एक साथ आगे बढ़ने लगे,उनकी आँखों में एक ही संदेश था जमीन हमारी है,खदान तुम्हारी नहीं होगी।

पुलिस ने लाठियाँ भांजी, पर 'संख्या' के सामने बेअसर : पुलिस ने पहले चेतावनी दी,फिर हल्का लाठीचार्ज किया,पर ग्रामीणों की संख्या इतनी अधिक थी कि पुलिस को रक्षात्मक मोड में जाना पड़ा,कुछ ग्रामीण भागे,कुछ पीछे हटे,लेकिन कई लोग और उग्र होकर आगे बढ़े,पुलिस रेडियो वायरलेस पर संदेश गूंजा स्थिति नियंत्रण से बाहर, तुरंत अतिरिक्त बल भेजें...आंसू गैस की यूनिट तैयार रखें।

घायल जमीन पर ही पड़े रहे, महिलाएँ चिल्लाती रहीं-पत्थरबाजी इतनी तेज थी कि ग्रामीण भी घायल हुए,महिलाएँ अपने घरवालों को घसीटकर किनारे ले जा रही थीं,एक बुजुर्ग किसान के सिर से खून बह रहा था,उसने कहा हमको मरना मंजूर, जमीन दे देना मंजूर नहीं।

पुलिस का काफ़िला पहुँचा...पर भीड़ उससे भी बड़ी थी...

खदान प्रबंधन ने बढ़ती भीड़ की सूचना लखनपुर थाने को दी। मिनटों में 200 से अधिक पुलिसकर्मी मौके पर पहुँच गए,टीआई, एसडीओपी,आरक्षक सब पंक्ति में खड़े हुए, लेकिन ग्रामीणों की संख्या इतनी अधिक थी कि पुलिस बल अचानक छोटा पड़ गया,माहौल में तनाव साफ़ था दोनों ओर चेहरों पर तनाव की लकीरें, और बीच में खनन सड़क जो धीरे-धीरे झड़प की रेखा बन रही थी।

पहले नारा...फिर बहस...फिर पत्थरों की गूंज...कोल माइंस मुर्दाबाद...

हमारी जमीन वापस करो पहले नारे लगे...फिर पुलिस और ग्रामीणों के बीच बातचीत शुरू हुई,लेकिन यह बातचीत बहस में बदलने में ज्यादा देर नहीं लगी,ग्रामीणों ने आरोप दोहराए बिना अधिग्रहण खदान विस्तार कैसे? मुआवजा कहाँ है? दस्तावेज क्यों नहीं दिखाते? पुलिस ने उन्हें शांत रहने और हटने को कहा यह वही पल था जब वातावरण पूरी तरह फट पड़ा,एक युवक ने अचानक पुलिस की ओर पत्थर फेंका,उसके बाद पत्थर सिर्फ फेंके नहीं गए उड़ाए गए,पुलिस लाइन हिल गई,जवान ढाल उठाते हुए पीछे हटने लगे,कुछ ही सेकंड में दर्जनों पत्थर पुलिस पर बरसने लगे, पुलिसकर्मी चोटिल होकर जमीन पर गिरते दिखे, एक जवान माथे पर पत्थर लगने के बाद लड़खड़ाता दिखा सहकर्मियों ने उसे पीछे खींचा।

अपर कलेक्टर और एएसपी पहुँचे लेकिन भीड़ शांत नहीं...

अपर कलेक्टर सुनील नायक व एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो मौके पर पहुँचे, उन्होंने ग्रामीणों से बात करने की कोशिश की, लेकिन भीड़ में आवाजें तेज थीं पहले खनन बंद कराओ...फिर चर्चा करेंगे अधिकारी पीछे हटकर रणनीति बनाने लगे,पुलिस ने खदान गेट के पास सुरक्षा बैरिकेड बना दिए।

खदान का शोर बंद,टकराव की आवाजें गूंजती रहीं...

कंपनी प्रबंधन ने मशीनें बंद करा दीं, डंपर एक लाइन में रोक दिए गए,खदान का सन्नाटा पहली बार इतना भारी महसूस हुआ,पर इलाके का माहौल अभी भी विस्फोटक है,ग्रामीण भारी संख्या में डटे हुए हैं,पुलिस लगातार बैकअप की मांग कर रही थी यह संघर्ष सिर्फ जमीन का नहीं यह संघर्ष भरोसे का था, अधिकारों का है,और विकास की परिभाषा पर सवाल उठाने का है, परसोड़ीकला में आज जो हुआ, वह एक चेतावनी था खनन सिर्फ वैज्ञानिक तरीका नहीं मांगता...सामाजिक सहमति भी मांगता है।

खनन बनाम किसान...किसकी कीमत पर विकास?

इस मामले में दैनिक घटती-घटना के पत्रकार रवि सिंह का विचार ये हैं की अमेरा कोल माइंस का विवाद सिर्फ एक प्रशासनिक समस्या नहीं थी,यह सवाल है कि विकास किसके लिए और किस कीमत पर? जब किसी जिले में खदानों का विस्तार होता है, तो सरकार विकास की बात करती है राजस्व,उद्योग,रोजगार। कंपनियाँ सीएसआर की किताबें दिखाती हैं स्कूल,सड़क,पानी, स्वास्थ्य बताती है,लेकिन धरातल पर एक और कहानी चल रही होती है जमीन छिनने का डर,विस्थापन का दर्द,और यह भय कि गांव की मिट्टी अब किसी मशीन की धूल में बदल जाएगी,अमेरा में जो कुछ हुआ पुलिसकर्मियों पर पथराव,ग्रामीणों की चोटें, प्रशासन की बेचैनी यह सब अचानक नहीं हुआ,यह उस अविश्वास की उपज थी जिसे वर्षों से बढ़ने दिया गया,बिना अधिग्रहण काम शुरू किया गया यह आरोप सामान्य नहीं होता,किसी भी ग्रामीण के लिए उसकी जमीन सिर्फ खेत नहीं होती वह उसकी पहचान,उसकी विरासत और उसकी अंतिम सुरक्षा-कवच होती है, पर जब उसकी आवाज को सिर्फ कागज के दस्तावेजों में दबा दिया जाता है,तो उसका प्रतिरोध पत्थरों में बदल जाता है,खनन की जरूरत से कोई इनकार नहीं कर सकता,पर सवाल यह है कि क्या खनन मनुष्य से बड़ा है? क्या राजस्व किसान से महत्वपूर्ण है? क्या विकास की कीमत किसी परिवार का उजड़ना हो सकता है? यदि ग्रामीणों को लगता है कि कंपनियाँ और प्रशासन उनके खिलाफ हैं,तो यह सिर्फ विरोध नहीं, शासन पर अविश्वास का सबसे बड़ा संकेत है, सरकारें कहती हैं विकास सबका,छूट किसी का नहीं,लेकिन जमीन अधिग्रहण,विस्थापन, पुनर्वास और जनसंवाद की प्रक्रिया को देखें, तो विकास कुछ का लगता है... और नुकसान कुछ और का, आज परसोड़ीकला में पत्थर चले,कल कहीं और चल सकते हैं,यह चेतावनी है जब तक विकास को 'न्याय' का आधार नहीं दिया जाएगा,विरोध को 'अपराध' बताने से हालात नहीं सुधरेंगे,खनन जारी रह सकता है,पर उससे पहले यह समझना जरूरी है किसकी मिट्टी,किसका हक... और किसकी सहमति? विकास कभी भी संघर्ष की कीमत पर नहीं होना चाहिए,कोई भी खदान उतनी कीमती नहीं जितना एक ग्रामीण का भरोसा, और आज उस भरोसे की खदान सबसे ज्यादा खतरे में है।

बोलेरो की पेड़ से हुई टक्कर में घायल एक और युवक की मौत

कुदरगढ़ धाम से लौट रहे थे मध्य प्रदेश से आए दर्शनार्थी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला के कुदरगढ़ देवी धाम से दर्शन करके मध्यप्रदेश के कुम्हिया गांव लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो वाहन बिहारपुर-चांदनी मार्ग के जंगल के समीप पेड़ से टकरा गई थी,हादसे में वाहन स्वामी की मौत हो गई थी,वहीं चार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय सूरजपुर और मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रिफर किया था,इनमें से एक और घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुम्हिया से 30 नवम्बर को आठ श्रद्धालु गांव के ही सतीश प्रताप सिंह के बोलेरो वाहन क्रमांक यूपी 61 एए 6191 से रविवार को कुदरगढ़ माता का दर्शन करने के लिए आए थे। दर्शन पूजा के बाद देर शाम सभी अपने गांव लौटने के लिए निकले थे। इसी दौरान बिहारपुर चांदनी मार्ग के कच्चे रास्ते में ढाईबहरा पुल के पास बोलेरो वाहन तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे महुआ पेड़ से टकरा गई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और वाहन स्वामी सतीश प्रताप सिंह की मौत हो गई थी। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल सूरजपुर भेजा गया। इनमें से अर्जुन जायसवाल पिता सिद्धनाथ जायसवाल 18 वर्ष को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रिफर किया गया था, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

शिवधारी कॉलोनी के पास से मोटरसाइकिल चोरी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पेट्रोल खत्म होने पर शिवधारी कॉलोनी के पास खड़ी मोटरसाइकिल को आधे घंटे के अंतराल में अज्ञात चोर ने पार कर दिया। जानकारी के मुताबिक ग्राम राजबांध थाना उदयपुर निवासी रूपेश सिंह वर्तमान में कृष्णानगर कॉलोनी नमनाकला में रहकर बीएससी प्रथम वर्ष की पढ़ाई सरस्वती कॉलेज अंबिकापुर कर रहा है। एक दिसम्बर को शाम करीब 7 बजे उसका दोस्त शिवम पैकरा पल्सर मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 ईजी 3630 को लेकर अपने घर ग्राम ककना सामान पहुंचाने गया था। शिवम पैकरा के साथ दिव्यांशु पैकरा भी साथ में था। रात करीब 11 बजे घर से वापस आते समय बंगाली चैक के पास मोटरसायकल का पेट्रोल खत्म हो गया। इसके बाद दोनों राहगीरों की मदद से धक्का देकर मोटरसायकल को ला रहे थे। शिवधारी कॉलोनी के पास पहुंचते तक थक जाने पर वे मोटरसायकल को वहीं खड़ा कर दिए। आधे घंटे के अंतराल में रात करीब 11.30 बजे मोटरसायकल को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

उज्जैन में युवती की बिक्री और जबरन विवाह का खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र में युवती को शादी-पार्टी में काम दिलाने के बहाने ले जाकर उसे बेचने और जबरन विवाह कराने का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। प्रार्थना द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार 19 नवंबर 2025 को उसकी बहन को सहेली अलका शादी पार्टी में काम करने के नाम पर पत्थलगाँव ले जाने की बात कहकर घर से लेकर गई,परंतु बाद में उसे उज्जैन ले जाकर अशोक नामक व्यक्ति को 2 लाख रुपये में बेच दिया गया। 29 नवंबर की शाम आरोपी अशोक ने प्रार्थना को फोन कर बताया कि अलका ने उसकी बहन को 2 लाख रुपये में उसे बेच दिया है और पैसे वापस मिलने तक वह युवती को नहीं छोड़ेगा। साथ ही पुलिस में रिपोर्ट न करने और जानकारी किसी को न देने की धमकी भी दी गई। प्रार्थना की शिकायत पर थाना मणिपुर में 26.11.25 को अपराध क्रमांक 323/2025 धारा 143(2),187,3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान मणिपुर पुलिस की टीम आरोपी की तलाश में उज्जैन रवाना हुई,जहां भंवर सिंह के कब्जे से पीड़िता को बरामद किया गया और उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि अलका ने उसे उज्जैन स्टेशन पर अशोक,मुकेश और भंवर सिंह को सौंप दिया। इसके बाद उसे 15 किमी दूर बड़ोदिया ले जाया गया,जहां अशोक और मुकेश ने जबरन भंवर सिंह से उसकी शादी करा दी। विरोध करने पर भंवर सिंह उसे जान से मारने की धमकी देता था। आरोपी भंवर सिंह की निशानदेही पर आरोपी मुकेश सिंह को भी गिरफ्तार किया गया।

दोनों को मणिपुर लाकर आगे की विवेचना में धारा 140(3), 142, 144(2),64 2डी बीएनएस जोड़ी गई। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक अश्विनी सिंह,सहायक उपनिरीक्षक शौखी लाल और आरक्षक सत्येंद्र दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन पर कार्रवाई

उदयपुर विकासखंड के मडगांव में किराना दुकान से 200 बोरी (80 क्विंटल) धान जब्त

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने चल रहे अभियान अंतर्गत उदयपुर विकासखंड के मडगांव में कार्रवाई करते हुए,चेतन सिंह के किराना दुकान में अवैध रूप से भंडारण किए गए 200 बोरी धान (लगभग 80 क्विंटल) बरामद किए गए हैं। मंडी अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर कृषि उपज मंडी समिति,राजस्व विभाग तथा स्थानीय प्रशासन की टीम ने मौके पर ही धान की जब्ती कार्रवाई करते हुए पंचनामा तैयार किया। दुकान संचालक द्वारा धान के भंडारण संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जा सके। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध भंडारण एवं अवैध खरीदी-बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

शासकीय कार्य में बाधा डालकर पत्थर बाजी की घटना को अंजाम देकर फरार आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे,कारवाई कर पुलिस ने भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-

राजपुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में 30/11/2025 को शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न एवं पत्थरबाजी कर घटना को अंजाम देकर घायल कर फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर धारा-296, 351(2), 115(2),121(1), 132, 221, 324(4), 3(5) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। जानकारी के अनुसार दिनांक 30.11.2025 को प्रार्थी प्रमीठ कुमार एक्का आ0 तपेश्वर प्रसाद उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम खटवा ब्रदर थाना पस्ता में उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश किया कि यह दिनांक 30.11.2025 को दोपहर 02.00 बजे वन खंण्ड कक्ष क्रमांक 2758 में शासकीय कार्य बाघ गणना ट्रांजिट लाईन तैयार किया जा रहा था उसी दौरान 03 अज्ञात व्यक्तियो के द्वारा जंगल के अंदर शराब सेवन कर रहे थे जिसे

देखकर आवेदक द्वारा अन्यत्र स्थान पर जाकर पीने हेतु समझाईस दिया तभी वन प्लस का मोबाईल के स्वामी व अन्य दो अज्ञात व्यक्ति के द्वारा तुम कौन हो कहने वाले कह कर प्रार्थी के साथ झुमाझपटी करते हुये मां बहन की गंदी गंदी गाली गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये प्रार्थी को पत्थर से मारे जिससे प्रार्थी के सिर व चेहरा में चोट लगा है। उसके बाद प्रार्थी के वाहन क्र0 सीजी 15 सीटी 0384 को पत्थर से मारकर सीसी को फोड दिये जिससे करीब 30-40 हजार रूपये का नुकसान हुआ है कि प्रार्थी के रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियो के विरूद्ध थाना राजपुर में अपराध क्र0 265/2025 धारा 296, 351(2), 115(2), 121(1), 132, 221, 324(4), 3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया, पुलिस ने विवेचना में सायबर सेल की मदद से आरोपियो के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आरोपी सुर्यप्रताप सिंह तथा आरोपी संतोष कुजूर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ किया गया जो जुर्म घटित स्वीकार किया पुलिस ने आरोपियो के विरूद्ध धारा सदर का अपराधथ घटित करना सबुत पाये जाने पर आरोपियो को दिनांक 03.12.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया है। कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक भारद्वाज सिंह, उप निरी0 सुबल सिंह, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र ध्रुव, पवन सिंह आरक्षक सुरज सिंह एवं थाना के अन्य स्टाफ भी सक्रिय रहे।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती 2025 के अवसर पर सरगुजा में संभागीय वैद्य सम्मेलन आयोजित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती 2025 के उपलक्ष्य में विभागीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत सरगुजा वनमंडल, अम्बिकापुर द्वारा काष्ठागार नीलाम हाल में संभागीय स्तरीय वैद्य सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लुंड्रा के विधायक श्री प्रबोध मिंज तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीरूपा सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। वनमंडलाधिकारी सरगुजा श्री अभिषेक जोगावत ने सम्मेलन एवं हर्बल मेले के उद्देश्य, गतिविधियों और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। सम्मेलन में संभाग स्तर से 110 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में अर्जुन छाल,गिलोय, दहिमन छाल,चिरायता, हड़जोड़, संजीवनी जैसे कच्चे औषधीय पदार्थों तथा हर्रा चूर्ण,त्रिफला चूर्ण, शहद सहित विभिन्न वन उत्पादों का प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शन किया गया। सम्मेलन में औषधि पादप बोर्ड की योजनाओं के साथ औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन और सतत उपयोग पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने हर्बल प्रदर्शनी का निरीक्षण कर उपस्थित वैद्यों से संवाद किया तथा पारंपरिक चिकित्सा के बढ़ते महत्व और इसके प्रोत्साहन पर अपने विचार साझा किए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने अपने सम्बोधन में परंपरागत चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी को इसके महत्व से अवगत कराने पर बल दिया। वैद्यों द्वारा पारंपरिक पद्धतियों और अनुभवों का आपसी आदान-प्रदान भी किया गया।

C M Y K

सीएम बदले या न बदले...जनता का मूड जरूर बदल रहा है...

वायरल लिस्ट ने खोली सरकार के 24 महीनों की पोल?

- अफवाह क्यों बिक रही है? क्योंकि भरोसा सस्ता और असंतोष महंगा हो गया है!
- क्या बीजेपी में 'विनिंग फेस' की तलाश तेज? सोशल मीडिया बता रहा है अंदर का तापमान!
- संगठन अपनी नब्ज ऐसे ही टटोलता है...अफवाहें कभी-कभी संकेत भी होती हैं!
- जनता का एक ही सवाल...काम कैसा? चेहरा बदलो या सिस्टम!
- किसने वायरल की लिस्ट? असली खेल रायपुर नहीं...दिल्ली समझ रही है!

क्या यह अफवाह इसलिए पनप रही है क्योंकि सरकार से उम्मीदें टूट रही हैं?

यही वह सवाल है जो चर्चाओं के केंद्र में है कई यूजर लिख रहे हैं...गृह मंत्री को भी बदलना चाहिए...सरकार कुछ भी कर ले,जाने वाली है...यदि बदलाव नहीं हुआ तो राज्य कर्ज में डूब जाएगा...यह पूरी तरह फेक है...माहौल ऐसा है कि अफवाह भी लोग सच मान रहे हैं...यह बताता है कि जनता का एक वर्ग सरकार के कामकाज से निराश, दूसरा वर्ग अविश्वासी,और तीसरा वर्ग पूरी तरह बचाव में दिखाई दे रहा है।

क्या दो साल में ही सरकार ने भरोसा खो दिया?

यही सवाल सोशल मीडिया बार-बार पूछ रहा है, लोगों का कहना है सरकार का कामकाज उम्मीदों के अनुरूप नहीं,निर्णय क्षमता पर सवाल।, संगठन और विधायक संतुष्ट नहीं, जनता महसूस कर रही है कि सरकार'सरकार की तरह'नहीं चल रही,जब एक सरकार अपनी ही समर्थक जनता और कार्यकर्ताओं के बीच सवालों में आ जाए,तो अफवाहें तेजी से 'संभावना'बन जाती हैं।

क्या यही वजह है कि बिना-स्रोत वाली कोई भी लिस्ट लोगों को तुरंत सच जैसी लगती है?

हो सकता है,जब जनता का भरोसा डगमगाता है, तब अफवाहें भी'रीलिटी' की तरह दिखने लगती हैं,फिलहाल यही माहौल है,आपकी नजर में सच क्या है? यह पूरा विवाद एक बड़ा सवाल छोड़ता है,क्या सरकार पर लोगों का विश्वास कमजोर हो रहा है? या यह सिर्फ सोशल मीडिया की हवा है? क्या आप भी यही महसूस कर रहे हैं? क्या वास्तव में बदलाव की चर्चा सिर्फ अफवाह है, या फिर यह आने वाले समय की किसी बड़ी रणनीति का संकेत है?

क्या यह माहौल असंतोष का है, इसलिए अफवाहें भी खूब बिक रही हैं?

सोशल मीडिया की टिप्पणियों में इसका स्पष्ट संकेत मिलता है,लोग न सिर्फ चर्चा कर रहे हैं,बल्कि खुलकर राय बदलने,चेहरे बदलने,और नई टीम लाने की बातें लिख रहे हैं,कई लोगों ने तो सीधा-सीधा कहा संगठन खुद ऐसी अफवाहें उड़ाकर लोगों का मूड परखता है,पूरी सरकार बदल दी जाएगी,पुराने किसी भी चेहरे को रिपीट करने लायक नहीं,यह दर्शाता है कि राज्य की राजनीति में आंतरिक तापमान बढ़ चुका है।

वास्तविकता का एक्स-रे है...

सोशल मीडिया में जो लिस्ट घूम रही है संभवित्तः अफवाह है,लेकिन उससे निकला प्रतिक्रियाएँ, जो भाषा और गुस्सा दिखा वह वास्तविकता का एक्स-रे है, अफवाहें कभी-कभी भविष्य नहीं बतातीं, पर माहौलबहुत साफ़ बता देती हैं,और इस समय का माहौल कह रहा है,चेहरे बदलें या न बदलें...जनता बदलाव चाहती है।

क्यों बिक रही हैं ये अफवाहें?..क्यों लोग इसे सच मानने को तैयार बैठें हैं?

- क्योंकि सरकार के 2 सालों का कामकाज जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बैठ रहा।
- क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं को महसूस हो रहा है 'हम मेहनत में, सरकार आराम में। '
- क्योंकि जनता कह रही है 'सरकार है... लेकिन सरकार जैसी नहीं चल रही। '
- क्योंकि असंतोष इतना है कि बिना-स्रोत की लिस्ट भी BREAKING NEWS लग रही है।

वायरल लिस्ट की सच्चाई अब तक 'अज्ञात',लेकिन माहौल गरम

-न्यूज डेस्क-
रायपुर/सरगुजा,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

लिस्ट फर्जी हो सकती है,पर असंतोष असली है,कथित कैबिनेट बदलाव ने खोली सरकार पर जनता की राय अफवाह नहीं,चेतावनी है,क्या दो साल में ही सरकार 'रिव्यू मोड' में? सोशल मीडिया ने बजा दी घंटी,कौन लाया लिस्ट? क्यों लगी आग? जवाब कोई नहीं,बहस हर तरफ,सरकार की चुप्पी,जनता की टिप्पणी बदलाव की हवा कहाँ से उठी? अफवाह या संकेत? सोशल मीडिया ने छेड़ दी नेतृत्व बदलाव की बहस,सरकार की छवि पर जनता की चोट? विवादित लिस्ट ने खोला जन-मत का ढक्कन,क्यों बिक रही हैं अफवाहें? क्या भरोसे की दरारें अब दिखने लगी हैं? राजनीति में सन्नाटा,सोशल मीडिया में तूफान किस दिशा में जा रही है सत्ता? ' पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया में एक कथित सीएम से लेकर कैबिनेट बदलाव 2026 की लिस्ट वायरल है, इस सूची की न तो कोई आधिकारिक पुष्टि है और न ही किसी जिम्मेदार संगठन ने इसे स्वीकार किया है,फिर भी,यह लिस्ट छत्तीसगढ़ की राजनीति में असामान्य गर्माहट पैदा कर चुकी है,सबसे बड़ी बात लिस्ट सच है या नहीं इससे अधिक चर्चा लोगों की प्रतिक्रिया को लेकर है,राजनीतिक से लेकर गैर-राजनीतिक लोग तक अपनी राय खुलकर लिख रहे हैं, सोशल मीडिया एक ही सवाल पर उबल रहा है...क्या छत्तीसगढ़ में 2026 तक मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट बदल जाएगी? एक वायरल लिस्ट...कोई आधिकारिक स्रोत नहीं...कोई पुष्टि नहीं...पर प्रतिक्रिया ऐसी जैसे घोषणा आधी रात को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हो चुकी हो,यह सिर्फ एक लिस्ट नहीं यह जनता की उस मानसिक स्थिति का आईना है जहाँ अफवाह भी भरोसे से ज़्यादा विश्वसनीय लगने लगी है।

अफवाहें क्यों बिक रही हैं... सरकार बहस में...जनता बेचैनी में...

छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से एक कथित 'सीएम-कैबिनेट बदलाव 2026 लिस्ट' सोशल मीडिया की दीवारों पर ठोकर खा-खा कर वायरल हो रही है,लिस्ट सच है या झूठ इसका कोई प्रमाण अब तक नहीं,लेकिन दिलचस्प इतना भर है कि इसे सच मानने वाले लगातार बढ़ते जा रहे हैं,यानी,अफवाह का वजन इसलिए नहीं बढ़ा कि वह विश्वसनीय थी, बल्कि इसलिए बढ़ा क्योंकि जनता में सवाल पहले से मौजूद थे,राजनीति में अफवाह तब जन्म लेती है जब सत्ता और समाज के बीच संवाद कमजोर पड़ने लगता है,लोग जब महसूस करने लगते हैं कि सरकार उनके प्रश्न नहीं सुन रही,तब वे किसी भी बिना-स्रोत लिस्ट को भी एक संभावित सच की तरह ग्रहण कर लेते हैं,छत्तीसगढ़ का वर्तमान परिदृश्य भी कुछ ऐसा ही है,सरकार के कामकाज पर जनता का धैर्य कम हो रहा है,पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष खुलकर दिख रहा है,और विपक्ष इस बेचैनी को भांपने में बेहद चौकस है। ऐसे माहौल में यह पूछना स्वाभाविक है क्या सरकार का भरोसा दो साल में ही टूट गया? या यह केवल सोशल मीडिया की हलचल है जिसमें हकीकत से ज्यादा धुआं है? जब जनता कहने लगे कि पुराने किसी को रिपीट करने लायक नहीं,जब कार्यकर्ता टिप्पणी करें कि सरकार सरकार की तरह नहीं चल रही,जब यूजर खुलकर लिखें कि बदलाव जरूरी है...तो समझिए कि यह सिर्फ अफवाह का खेल नहीं, असंतोष का संकेत है,राजनीति में परिवर्तन हमेशा चुनावी मौसम में नहीं होता कभी-कभी जनता का मनसूबा ही सत्ता का असली मौसम तय करता है,सोशल मीडिया आज उसी मनसूबे का आईना है,यह लिस्ट सच निकले या झूठ, पर यह स्पष्ट है कि जनता सुनना चाहती है, जनता बदलाव की चर्चा में है, जनता सवाल पूछ रही है,और राजनीति में इससे बड़ा संकेत कोई नहीं होता।

वायरल लिस्ट की सच्चाई अब तक 'अज्ञात',लेकिन माहौल गरम

कौन इस लिस्ट को वायरल कर गया? क्या यह किसी की रणनीति थी या सोशल मीडिया की सनसनी? अब तक किसी के पास इसका जवाब नहीं, पर सोशल मीडिया जिस तरह फूट पड़ा है, उससे यह साफ झलकता है कि जनता के भीतर कोई बेचैनी,कोई उम्मीद, या कोई नाराजगी जरूर है,जो इस वायरल सामग्री को हवा दे रही है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिव्यांग बच्चों को समान अवसर अधिकार और सुरक्षा की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान (महिला एवं बाल विकास विभाग) के मार्गदर्शन में महिला सशक्तीकरण केंद्र (हब) एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस और लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होली क्रॉस आशा निकुंज विशेष विद्यालय, अंबिकापुर में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बालिकाओं और बालकों को समाज में समान अवसर, अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही 16 दिवसीय विशेष जागरूकता

अभियान की सतत कड़ी के रूप में लिंग आधारित हिंसा तथा डिजिटल हिंसा से बचाव,सुरक्षा उपाय और उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बाल अधिकार, लैंगिक समानता,संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा, आपातकालीन नंबर 181, 1098, 1930 सहित बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, पॉक्सो एक्ट, सुकन्या समृद्धि योजना व अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। बच्चों को आत्म विश्वास बढ़ाने और मानसिक रूप से सशक्त बनाने हेतु प्रेरणात्मक चर्चा भी की गई। इसके साथ ही बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने के उद्देश्य से बाल विवाह की हानियों और सामाजिक भेदभाव के सकारात्मक-नकारात्मक पक्षों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मिशन शक्ति (हब) से जिला समन्वयक नूतन सिन्हा, वित्तीय विशेषज्ञ नेहा सिंह, आईसीपीएस से सुमंती खाखा, समाज कल्याण विभाग से विमलेश उइके, स्कूल प्राचार्य श्रीमती श्वेता तिर्की, विशेष शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सूरजपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई...12 किलो 300 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार,4 लाख रूपये कीमत का गांजा जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के चौकी रेवटी पुलिस ने अम्बिकापुर से रेनुकूट जाने वाली बस में गांजा ले जा रहे एक गांजा तस्कर को पकड़ा है जिससे 4 लाख रूपये कीमत के 12 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कार्यों सहित नशे के कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने के सख्त निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 02.12.2025 को चौकी रेवटी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि अम्बिकापुर से रेनुकूट जाने वाली बस में एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री करने बनारस जा रहा है। चौकी रेवटी पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम चांचीडांड बनारस

रोड़ पर नाकाबंदी कर बस की चेकिंग की जा रही थी इसी दौरान बस से एक व्यक्ति 2 बैग लेकर संदिग्ध हालत में भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम सोनू पटेल पिता मुरारी लाल उम्र 32 वर्ष निवासी इन्जानी, थाना चलगली जिला बलरामपुर बताया जिसके कब्जे से 12 किलो 300 ग्राम गांजा जप्त किया गया है जिसकी कीमत करीब 4 लाख रूपये है। मामले में गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी रेवटी कृष्णा सिंह, एएसआई विनोद सिंह, प्रधान आरक्षक शिव राजवाड़े, अभिलाष राम,आरखक अखिलेश दुबे,महेन्द्र कुमार, अशोक राजवाड़े, संत पैंकरा, अनिरूद्ध पैंकरा व मुरलीधर नायक सक्रिय रहे। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि नशा का कारोबार करने वालों पर पुलिस की कड़ी निगरानी जारी है और कार्रवाई आगे और अधिक तेज होगी। उन्होंने आम जनता से अपील किया है कि अवैध गांजा तस्करी की कोई भी सूचना मिले तो उसे फौरन पुलिस को दें।

लाईफ मित्र के 101 पदों पर भर्ती हेतु 12 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, अम्बिकापुर द्वारा 12 दिसम्बर 2025, दिन शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी कि इस कैंप में निजी नियोजक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, अम्बिकापुर से सुश्री अंजना सिंह उपस्थित रहेंगी। प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से लाईफ मित्र के 101 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं उत्तीर्ण, तथा स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों का वेतन कार्य के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। कैंप में आवेदन के लिए रोजगार कार्यालय में अभ्यर्थी का जीवित पंजीयन अनिवार्य है। यह प्लेसमेंट कैम्प पूर्णतः निःशुल्क है तथा नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तें नियोजक के जिम्मे होंगी। रोजगार कार्यालय इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा।

जिले के इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार अपने साथ-शैक्षणिक योग्यता की अंकसूचियाँ,निवास प्रमाण पत्र,पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 12 दिसम्बर 2025, शुक्रवार, प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक,जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुर अम्बिकापुर में आयोजित प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित होकर रोजगार अवसर का लाभ उठा सकते है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने डॉ राजेंद्र प्रसाद की 139 वी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति और संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद की 139 वी जयंती पर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान आयोजित परिचर्चा में राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। परिचर्चा हेतु आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि डॉ राजेन्द्र प्रसाद एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे जो इस पद पर दो कार्यकाल तक कार्य किये। वे संयम और त्याग के प्रतीत थे। उनके इस गुण को देख महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरे पास अमृत पीने वाले बहुत

से लोग हैं किंतु जहर पीने के लिये सिर्फ एक ही व्यक्ति है और उनका नाम राजेन्द्र बाबू है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि राजेंद्र बाबू अपने धर्म के प्रति आस्थावान रहते हुए पूर्णतः धर्म निरपेक्ष थे। एक आस्थावान हिंदू के रूप में वे गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराते हैं वहीं धर्मनिरपेक्ष राजेन्द्र बाबू राष्ट्रपति भवन में मंदिर और मस्जिद दोनों बनवाते हैं। इस परिचर्चा को ए पी शांडिल्य,मो इस्लाम,इरफान सिद्दकी,लक्ष्मी गुप्ता,अमित तिवारी राजा ने भी संबोधित किया। सभा का संचालन महाराणा प्रताप मंडल के मंडल अध्यक्ष अमित सिन्हा ने किया। इस दौरान जगन्नाथ कुशवाहा, जमील खान,चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह,सोहन जायसवाल, निखिल विश्वकर्मा,चंचला सांडिल्य, रूही गजाला,मंजू सिंह,शकीला सिद्दीकी,सरोज मरावी,अनुराधा सिंह, सरोज बड़ा, लुकस एक्का,अविनाश कुमार,विकास शर्मा,केदार यादव, लखन मरावी, जमशेर आलम आदि मौजूद थे।

जुआ खेल रहे 4 जुआड़ियों को चौकी बसदेई पुलिस ने किया गिरफ्तार,नगदी रकम,मोबाईल व बाईक किया जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी बीच दिनांक 02.12.2025 को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम गंगोटी में कुछ जुआड़ियान हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। चौकी बसदेई पुलिस प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम गंगोटी में घेराबंदी कर 4 जुआड़ी जगदीश प्रसाद पिता

रामनारायण साहू उम्र 48 वर्ष ग्राम पोड़ी थाना रामानुजनगर, पूरन प्रसाद पिता धनराज उम्र 35 वर्ष ग्राम गंगोटी चौकी बसदेई, संजय साहू पिता परन राम उम्र 43 वर्ष ग्राम मांजा थाना रामानुजनगर,सूरज साहू पिता राम संजीवन उम्र 32 वर्ष ग्राम बांसापारा चौकी बसदेई को जुआ खेलते रंगे हाथों धर दबोचा,जुआड़ियों के पास व जुआ फड़ से 9100 रूपये जप्त किया गया। मौके से जुआड़ियों के 4 नग मोबाईल व 4 नग मोटर सायकल कीमती 299100 रूपये का भी जप्त किया गया है। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मात्र आवंटन हुआ...न अमानत राशि जमा...न रायल्टी...न माइनिंग प्लान,न पीट पास-फिर भी शुरू अवैध वसूली...

रायल्टी नहीं जमा,पीट पास नहीं...पर ट्रैक्टर-टिपर से रेत की वसूली! माइनिंग विभाग की चुप्पी क्या सौदे का परिणाम?

लकी-ड्रॉ सिर्फ नाम का...ठेकेदार के गुर्गों ने शुरू कर दी वसूली?

ठेकेदार के 'गुर्गे' की अवैध उगाही? माइनिंग विभाग की कॉल पर कार्रवाई से सांठगांठ के संकेत

ट्रैक्टर से 1500,टिपर से 2500 की माग,न देने पर विभाग को कॉल कर दी जाती है कानूनी कार्रवाई की धमकी

लकी-ड्रॉ दिखावा... असली खेल अवैध वसूली का...एक फोन पर माइनिंग विभाग का दौड़ना सबसे बड़ा राज...

-रवि सिंह-

कोरिया,03 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले की चिरमी और गेज़ी रेत खदानों के लकी-ड्रॉ द्वारा हाल ही में घोषित आवंटन के बाद खदान संचालन से पहले ही बड़ा घोटाला, बड़ी वसूली और विभागीय सांठगांठ के आरोप सामने आए हैं,चिरमी खदान मां दुर्गा लेबर एंड सिक्योरिटी कंपनी,अंबिकापुर को आवंटित तो जरूर हुई है,लेकिन न अमानत राशि जमा हुई,न माइनिंग प्लान की स्वीकृति हुई,न रजिस्ट्री हुई,न रायल्टी,और न ही पीट पास जारी हुए हैं,इसके बावजूद ठेकेदार से जुड़े मयंक सिंह और लकी सिंह के द्वारा खदान पर कब्जे जैसी गतिविधियाँ और अवैध वसूली के आरोप तेजी से उठ रहे हैं।

कोरिया की रेत खदानें: कानून बंद कमरे में...और वसूली खुले मैदान में...

कोरिया जिले की चिरमी-गेजी खदानों का ताज़ा मामला सिर्फ अवैध वसूली का नहीं है यह उस बीमार सिस्टम की परतें खोलता है जिसमें नियमों से ज़्यादा ताकत,कानून से ज़्यादा सांठगांठ,और प्रक्रियाओं से ज़्यादा पैसा चलता है,लकी-ड्रॉ हुआ,लेकिन बस कागज़ पर,खदान न रजिस्ट्री हुई,न रायल्टी जमा, न पीट पास जारी,न माइनिंग प्लान मुहरबंद लेकिन वसूली समय से पहले शुरू हो गई,यह कैसे संभव है? क्या ठेकेदार और उसके गुर्गे शासन से ऊपर हैं? सबसे बड़ा सवाल यदि खदान अभी कानूनी रूप से शुरू नहीं हुई,तो ट्रैक्टर-टिपर से पैसे कौन ले रहा है...और किस अधिकार से?...जब आरोप यह हों कि मयंक-लकी एक फोन करते हैं और माइनिंग विभाग तुरंत गाड़ी पकड़ने पहुँच जाता है,तो यह सिर्फ संदेह नहीं एक गहरा संकेत है कि विभाग किसी अदृश्य हाथ मिलाना के तहत काम कर रहा है,माइनिंग विभाग यदि इतना सक्रिय होता,तो पहले सवाल पूछता कि बिना पीट पास के खदान में ठेकेदार के लोग क्या कर रहे हैं? लेकिन यह सवाल सरकार नहीं पूछती, विभाग नहीं पूछता,और ठेकेदार के गुर्गे तो पूछते ही नहीं वो तो सीधा वसूली शुरू कर देते हैं,क्या अब खदानें नियमों से नहीं,बल्कि गुर्गों के फोन और विभाग की चुप्पी से चलेंगी? यदि कोरिया जिले में यह नया मॉडल लागू हो गया तो कल खदानें नहीं,पूरा सिस्टम 'अनऑफिशियल वसूली' में बदल जाएगा। सरकारें बदलती हैं, नीतियाँ बदलती हैं,लेकिन रेत माफिया का चरित्र नहीं बदलता क्योंकि उन्हें चुनौती देने वाला तंत्र ही उनके साथ खड़ा होता है, कोरिया की चिरमी-गेजी खदानों में अभी सिर्फ लकी-ड्रॉ हुआ है,पर जिस तरह की वसूली शुरू हो चुकी है,वह बताती है कि असली ड्रॉ तो पैसा कौन देगा और संरक्षण कौन देगा,इसके बीच होता है। यदि शासन और कलेक्टर ने एक भी दिन देरी की,तो यह मामला छोटा 'वसूली प्रकरण' नहीं,पूरी कोरिया माइनिंग का महाघोटाला बनकर सामने आएगा।

मजबूत आरोप...खदान अभी कानूनी रूप से शुरू भी नहीं हुई...पर वसूली शुरू...

स्थानीय ट्रैक्टर व वाहन चालकों के अनुसार चिरमी खदान पर हर वाहन को रोका जा रहा है ट्रैक्टर से 1500, टिपर से 2500 की उगाही की जा रही है अवैध वसूली देने से इनकार करने पर मयंक-लकी सीधे माइनिंग विभाग को फोन करते हैं,और विभाग तत्काल मौके पर कार्रवाई कर देता है,यह व्यवहार साफ-साफ सांठगांठ का संकेत देता है।

क्या लकी-ड्रॉ सिर्फ दिखावा था? असली खेल तो विभाग ठेकेदार की मिलीभगत का

लकी-ड्रॉ प्रक्रिया सिर्फ आवंटन का प्रथम चरण है,किसी भी ठेकेदार को खदान का संचालन शुरू करने के लिए अमानत राशि,माइनिंग प्लान, एनओसी,रजिस्ट्री,ग्राउंड-लेवल मार्किंग,रायल्टी क्लीयरेंस,पीट पास जारी इनमें से एक भी वैध दस्तावेज़ अभी तक मौजूद नहीं है, तो क्या ठेकेदार के गुर्गों को अवैध वसूली के अधिकार किसी ने 'अनौपचारिक रूप से' दे दिए हैं? यह सवाल अब कोरिया जिले की माइनिंग व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर रहा है।

माइनिंग विभाग की भूमिका सबसे संदिग्ध...एक फोन पर तत्काल कार्रवाई...

शिकायतकर्ताओं का कहना है मयंक सिंह और लकी सिंह जिस वाहन से पैसा नहीं ले पाते,उसी वाहन का नंबर तुरंत माइनिंग विभाग को भेजते हैं और विभाग उसी वक्त गाड़ी पकड़ने पहुंच जाता है,यदि विभाग इतना ही सक्रिय है,तो फिर अवैध वसूली करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं? फर्जी पीट पास रोकने का नियम क्यों लागू नहीं किया गया? खदान का संचालन बिना अनुमति के क्यों चलने दिया जा रहा है?

कोरिया में रेत खदानों का खेल खुला भ्रष्टाचार बन चुका है...

चिरमी-गेजी खदानों का पूरा प्रकरण बताता है कि ठेकेदार से जुड़े लोग बिना अनुमति खदान पर कब्जा कर रहे हैं,अवैध वसूली जारी है, गाली-गलौज और धमकी के आरोप गंभीर हैं,विभाग पूरी तरह सांठगांठ में शामिल प्रतीत होता है,लकी-ड्रॉ सिर्फ औपचारिकता बन गया है यह पूरा मामला अब पुलिस,माइनिंग,कलेक्टर और शासन की गंभीर जांच की मांग करता है।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोट:- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 98265-32611

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202512020700003

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार- सोनम गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार- कोई नही,

ज्ञापन

आवेदिका सोनम गुप्ता पति अनुप गुप्ता निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1789/187 रकबा 0.023 हे0 भूमि के ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202512020700011

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 (2256(0.030हे0)]
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार- अटल सोनी,
अनावेदक पक्षकार-प्रभावती पति अतल सोनी छठी देवी, धरमशीला देवी,ललीता देवी,

ज्ञापन

आवेदक अटल सोनी आ0स्व0शिवनारायण सोनी व अन्य निवासी ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2256/5 रकबा 0.030 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार प्रभादेवी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3 , जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 202511022900008 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अटल सोनी आ. स्व. शिवनारायण सोनी व अन्य 02 निवासी महामाया पारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित भूमि ख0न0 338/7 रकबा 0.010 हे0 भूमि से मृतक प्रभावती देवी पति अटल सोनी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा सस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से ज़ारी ।

सील नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-03

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निम्न निविदा सूचना क्रमांक में अपरिहार्य कारणों से निविदा की समय सारिणी में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है। निविदा की संशोधित समय सारणी निम्नानुसार होगी:-

क्र.	निविदा सूचना क्रमांक एंव दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	ग्राम	ठेके की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	बिड संबमिशन तिथि
1	30 दिनांक 06.11.2025	179056	मैनपाट	बरिमा	249.35	15.12.2025
2	31 दिनांक 06.11.2025	179057	सीतापुर	बेलजोरा	217.09	15.12.2025
3	32 दिनांक 06.11.2025	179058	मैनपाट	जजगा	268.1	15.12.2025
4	33 दिनांक 06.11.2025	179059	मैनपाट	कुदारीडीह	229.48	15.12.2025
5	34 दिनांक 06.11.2025	179060	मैनपाट	कुनिया	132.86	15.12.2025
6	35 दिनांक 06.11.2025	179061	सीतापुर	लिचिरमा	135.53	15.12.2025
7	36 दिनांक 06.11.2025	179062	मैनपाट	लुरेना	166.37	15.12.2025
8	37 दिनांक 06.11.2025	179063	सीतापुर	नवापारा	173.35	15.12.2025
9	38 दिनांक 06.11.2025	179064	मैनपाट	पिड़िया	171.99	15.12.2025
10	39 दिनांक 06.11.2025	179065	बतौली	पोकसरी	137.16	15.12.2025
11	40 दिनांक 06.11.2025	179066	मैनपाट	रजखेता	152.4	15.12.2025
12	41 दिनांक 06.11.2025	179067	सीतापुर	रजपुरी	167.08	15.12.2025
13	42 दिनांक 06.11.2025	179068	मैनपाट	रोपाखार	134.66	15.12.2025
14	43 दिनांक 06.11.2025	179069	मैनपाट	सरभंजा	209.76	15.12.2025
15	44 दिनांक 06.11.2025	179070	बतौली	तेलाईधार	164.87	15.12.2025
16	45 दिनांक 06.11.2025	179071	लुण्ड्रा	झेराडीह	277.68	15.12.2025

फाइनेंसियल बिड खोलने की तिथि 30/12/2025 तक। निविदा के सामान्य शर्ते,धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल (http://eproc.cgstate.gov.in) में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
अम्बिकापुरी

जी नंबर-252605186/4

CMYK

तीन पूर्व विधायक एक कतार में

2028 टिकट की तस्वीर साफ या सिर्फ राजनीतिक संकेत?

इस तस्वीर में तीन बातें साफ दिखीं...

पहली... टिकट की राजनीति तेज हो चुकी है जो चेहरे 2023 के बाद राजनीतिक धुंध में दिखाई नहीं देते थे,वे अब अचानक सक्रियता के साथ सामने आ रहे हैं,दो पूर्व विधायक जिला विभाजन में अपनी-अपनी भूमिका के कारण चर्चा में रहे, अब वही कोरिया जिले में टिकट के लिए मौजूद हैं,तीसरी पूर्व विधायक लंबे समय बाद क्षेत्र में सक्रिय दिखीं, इसकी भी अपनी राजनीतिक भाषा है।

दूसरी... जिला विभाजन जनता ने भुलाया नहीं, पर राजनीति ने उसके अर्थ बदल दिए,लोगों का तंज हल्का नहीं था जिन्होंने जिले बांट दिए, वे आज टिकट के लिए कोरिया में लाइन लगा रहे हैं यह टिप्पणी चुनाव से पहले हवा का रुख बताती है, चुनाव 2028 का है, पर नाराजी 2023 वाली ही है।

तीसरी... कांग्रेस के भीतर गुटबाजी दबाकर नहीं,सजाकर रखी गई,कुछ दावेदारों को कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी गई, पार्टी के अंदर ही तर्क है जो तय है,वही बुलाए गए,जो दावेदार हैं,उन्हें दूर रखा गया,अगर टिकट के लिए युद्ध अभी से शुरू है, तो अगले तीन साल संगठन संभालने में ही बीत सकते हैं।

तस्वीर बता रही है टिकट की जंग शुरू हो चुकी है,बस घोषणा बाकी है...

यवत कुमार सिंह की भूमिका इस कहानी में खास है वह घर, जो सत्ता के समय तीनों विधायकों की प्राथमिकता नहीं था, आज टिकट की राजनीति का प्रवेश द्वार बन गया है, क्या यह संकेत है कि 2028 में तारणहार वही होंगे? यह सवाल हवा में तैर रहा है और राजनीति हवा के संकेतों से ही दिशा पकड़ती है, आखिर में यह तस्वीर सिर्फ फोटो नहीं, यह कांग्रेस की भविष्य-राजनीति का 'कॉमन मिनिमम विजुअल' है, जिला विभाजन की पीड़ा हो, टिकट की दावेदारी हो या गुटों का खेल कोरिया और एमसीबी दोनों जिलों की राजनीति एक ही फ्रेम में कैद दिखी, 2028 अभी दूर है, पर तस्वीर बता रही है टिकट की जंग शुरू हो चुकी है,बस घोषणा बाकी है।

नगर पटना में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत मंच पर तीनों का जमावड़ा-कोरिया-एमसीबी की राजनीति में उठा तूफ़ान...

जिला विभाजन की राजनीति लौटकर फिर कोरिया आई, अब टिकट की आस में तीनों पूर्व विधायक...

लोगों का कटाक्षः जिन्होंने जिले बांटे, वही अब कोरिया में टिकट मांगने आए...

गुटबाजी का साया,कुछ नेताओं को नहीं मिला न्योता,क्या 2028 के दावेदारों की काट शुरू?

प्रदेश अध्यक्ष के दौरे पर चयनित चेहरे ही मंच तक, बाकी चुपचाप किनारे, कांग्रेस घर वापसी या घर-बांटने के दौर में?

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया के घर नजर आए तीनों पूर्व विधायक,एक ही कतार में बैठकर खिंचाई तस्वीर

वैकुंठपुर विधानसभा की पूर्व विधायक भी लंबे समय बाद नजर आईं सक्रिय,दिखाई देने लगीं क्षेत्र में...

-रवि सिंह-

कोरिया,03 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

तस्वीर सिर्फ तस्वीर नहीं 2028 की टिकट पॉलिटिक्स का मुकम्मल फ्रेम है नगर पटना का सोमवार राजनीतिक कैलेंडर में एक साधारण कार्यक्रम नहीं था,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का स्वागत,सद्भाव का मौका, संगठन का प्रदर्शन लेकिन इसके बीच जो तस्वीर उभरी,उसने आने वाले तीन साल की राजनीति का पूरा रूट-मैप बना दिया,तीन पूर्व विधायक–एक कतार में बैठे,एक घर यवत कुमार सिंह का,एक मंच जहाँ नारे कम, संकेत ज़्यादा थे,और जनता जो तस्वीर में भविष्य पढ़ने लगती है।

बता दे की दिनांक 2/12/2025 स्थान नगर पटना,जिला कोरिया, अवसर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कोरिया जिला आगमन और उम्मीद 2028 विधानसभा चुनाव की टिकट,टिकट के लिए कतारबद्ध प्रमुख लोग तीन पूर्व कांग्रेस के ही विधायक,यह कोई मनगढ़ंत विषय नहीं यह एक तस्वीर है जो पूर्व और कोरिया जिले के प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष यवत कुमार सिंह के घर की तस्वीर है,जहां कोरिया जिले में प्रवेश उपरांत सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस दीपक बैज रुके और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्वागत स्वीकार किया,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अंबिकापुर से सुरजपुर,कोरिया,एमसीबी जिले होते हुए आगे बढ़ने वाले थे और कोरिया जिले में उनका प्रथम स्वागत पटना नगर में किया जाना था,तय समय से कई घंटे विलंब से पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए नगर पटना में पहले से ही स्थानीय कार्यकर्ता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत कुमार सिंह के घर पर मौजूद थे वहीं उनके आगमन से कुछ देर पहले वहां अविभाजित कोरिया जिले के या यह कहें कोरिया जिले के विभाजन के तीनों कारण विधायक पहुंचे और वह एक साथ ही एक कतार में बैठ गए,एक कतार में बैठी तीन पूर्व विधायकों की तस्वीर जब सामने आई लोगों की प्रतिक्रिया भी सामने आई और प्रतिक्रिया यह रही कि यह तीन ही अब कांग्रेस के तीन विधानसभा सीटों के प्रबल टिकट दावेदार हैं जो तय भी है क्योंकि जिलाध्यक्ष नियुक्ति के बाद ही यह तय हो चुका है वहीं उसके बाद से सक्रियता भी तीनों की बढ़ गई है,भरतपुर सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक की सक्रियता क्षेत्र में नजर भी आती है लेकिन अन्य दो की सक्रियता अब सामने आई है यह भी चर्चा आम है, वैसे प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस के कोरिया जिला आगमन और उनके स्वागत कार्यक्रम में कुछ बड़े कांग्रेस नेताओं को किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई,न उन्हें बुलाया गया ऐसी भी बातें सामने आईं,वहीं स्वागत के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह जनस्दस्त नजर आया,वह लंबे इंतजार के बाद भी भव्य स्वागत रहा।

तीन पूर्व विधायकों की एक कतार वाली तस्वीर,चर्चा और समीक्षा

नगर पटना में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का आगमन और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के घर पर तीन पूर्व विधायकों का एक कतार में बैठकर तस्वीर खिंचाना,यह चर्चा और समीक्षा का विषय बन चुका है,यह तस्वीर इस समीक्षा तक पहुंची है कि यह 2028 विधानसभा की वह तिकड़ी है जो तीन विधानसभा सीटों से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी होंगे,और यह लगभग तय है,समीक्षा में लोगों की तरफ से तर्क भी है जो जिलाध्यक्षों की नियुक्ति से जुड़ा तर्क है,लोगों का कहना है,खासकर पार्टी के ही लोगों का की कोरिया, एमसीबी जिले में जिलाध्यक्षों की पुनरावृत्ति से ही यह तय हो गया था कि आगे दोनों जिलों के पूर्व विधायक ही टिकट के लिए 2028 के पात्र होंगे, वही पार्टी की पसंद होंगे।

जिला विभाजन को लेकर भी लोगों का तंज,कोरिया,एमसीबी जिले के तीनों पूर्व विधायकों की ही देन,जिला विभाजन

नगर पटना से कोरिया एमसीबी जिले के तीन पूर्व कांग्रेस विधायकों की तस्वीर एक कतार में बैठी जैसे ही सामने आई,लोगों ने जिला विभाजन को लेकर भी तंज कसा,कोरिया जिले के लोगों ने यही कहा कि जिले का विभाजन कर आज कोरिया में ही टिकट की आस से फिर तीनों का जमावड़ा,आखिरकार कोरिया जिला ही बन रहा है तीनों के लिए टिकट 2028 का सहारा, लोगों का तंज इसलिए भी तीनों पर क्योंकि दो पूर्व ने जहां अपने जिले के लिए प्रयास किया कोरिया जिले को दरकिनार किया वहीं एक ने कोरिया जिले की होकर भी विभाजन का विरोध नहीं किया,मिठाई खुद खाकर नवीन जिले को आशीर्वाद दिया।

प्रथम एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के घर पर लंबे समय पश्चात नजर आए बड़े नेता,क्या तारण हार बनकर वह फिर पार लगाएंगे तीनों की नैया?

प्रथम एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत कुमार सिंह के घर पर प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस के स्वागत आयोजन के दौरान दोनों जिलों के कोरिया एवं एमसीबी के बड़े नेता नजर आए,बड़े नेताओं में वह तीन पूर्व विधायक शामिल थे जो सत्ता शासन रहते शायद ही ऐसे आयोजनों को लेकर यवत कुमार सिंह का साथ देते थे,गाहे बगाहे कभी पहुंचे भी तो सत्ता का दंभ और भारी लाव लश्कर का जमावड़ा साथ रहा और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष को किनारे ही रहना पड़ा,अब सत्ता से अलग होकर तीनों पूर्व विधायक फिर एक बार पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के घर पर नजर आए और घंटों साथ बैठकर उन्होंने समय बिताया,वैसे सवाल यह है कि क्या अब एक बार पुनः पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ही तीनों के तारण हार बनेंगे,उन्हें उम्मीदवारी में मदद करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस की गुटबाजी भी सुनाई दी,कुछ नेताओं को नहीं मिला कोई आगमन संदेश,आरोप

प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस दीपक बैज के कोरिया जिला आगमन पर कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं को आगमन संदेश नहीं प्राप्त हुआ,नेताओं का कहना है कि उन्हें सूचना ही नहीं प्रदान की गई कि स्वागत के लिए आना है,ऐसे नेताओं की माने तो उन्हें इसलिए अलग रखा गया क्योंकि वह भी 2028 के लिए टिकट दावेदार हैं और चूंकि जो नजर आ रहा है वह पहले से तय है इसलिए उन्हें बुलाना उचित नहीं समझा गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शुभारंभ

-संवाददाता-

खड़गवां,03 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवाडांड की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 140 का विशेष सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन मां सरस्वती, भारत माता,महात्मा गांधी और रासेयो के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद की पूजा अर्चना कर शा.हाई स्कूल पैनारी के प्रांगण में मुख्य अतिथि नर्मदा प्रसाद आदिले प्राचार्य हाई स्कूल पैनारी, कार्यक्रम के अध्यक्ष जगदीश सिंह प्राचार्य शास.हायर सेकंडरी स्कूल देवाडांड, विशिष्ट अतिथि विनोद कुमार हनुमान प्रसाद,पटेल सर, अनिमा तिर्की मैडम के कर कमलों द्वारा किया गया। शिविर संचालक राम खिलावन विश्वकर्मा द्वारा स्वस्ति वाचन तथा मंगला चरण का सस्वर उच्चारण करते हुए मां सरस्वती तथा भारत माता की अर्चना की गई। शिविर नायक दीपू सिंह, और अजय के द्वारा रासेयो का लक्ष्य और उद्देश्य पढ़ा गया, भूमि काशी और नीतू के द्वारा स्वागत गीत गाया गया, खुशी और नेहा द्वारा रासेयो का लक्ष्य गीत गाया गया इसके पश्चात् शिविर की सफलता के लिए प्राचार्य महोदय और अन्य अतिथियों द्वारा दिशा निर्देश और शुभ कामनाएं प्रेषित की गई।

ग्राम पंचायत सिंघत बना भ्रष्टाचार का अखाड़ा

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,03 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत सिंघत में रोजगार गारंटी योजना के कार्यों में बहुत भ्रष्टाचार किया गया है और इस भ्रष्टाचार को छूपाने को कोशिश भी बड़े ज़ोर शोर से चल रही है ग्राम पंचायत सिंघत में रोजगार गारंटी योजना से चल रहे निर्माण कार्यों में फर्जीवाड़ा किए जाने कि जानकारी मिल रही है।

इस ग्राम पंचायत सिंघत में रोजगार गारंटी योजना से बने जाब कार्ड में नाम किसी दूसरे का दर्ज और रोजगार गारंटी योजना में उस जाब कार्ड से निर्माण कार्य में मजदूरी कोई दूसरा व्यक्ति कर रहा है।

जाब कार्ड धारी का नाम जाब कार्ड में दर्ज है और उसकी मृत्यु हो चुकी है उसकी मृत्यु के पश्चात दूसरे का नाम उस जाब कार्ड में दर्ज कर लिया गया है और दूसरा व्यक्ति इस जाब कार्ड से निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा है। इस ग्राम पंचायत सिंघत में मनरेगा और अन्य योजनाओं के कार्यों में बडा फर्जीवाड़ा किया गया है।

स्थानीय सूत्रों से जानकारी भी मिल रही है कि जिनका डिमांड किया जाता था जैसे कि एक परिवार के दो सदस्यों का डिमांड होता था एक ही काम करने जाता था और दूसरे की भी हाजरी लगवाई जाती है ऐसा फर्जी हाजरी का खेल इस ग्राम पंचायत सिंघत में काफी दिनों से बड़े जोरों पर चल रहा है। इसका विरोध ग्राम पंचायत सिंघत में दबी-जुबान से किया जाता रहा है। ये भी जानकारी प्राप्त हो रही है कि जो लोग गांव में नहीं रहते है उनके भी जाब कार्ड में हाजरी भरी जाती रही है।

इस ग्राम पंचायत सिंघत में मनरेगा एवं अन्य निर्माण कार्यों में कई तरह के भ्रष्टाचार पूर्व सरपंच के कार्य काल में हुए हैं। और वर्तमान में भी किए जा रहे हैं। जिसका जिता जागता प्रमाण ग्राम पंचायत सिंघत में बन रहे कम्प्यूटर कक्ष है मृत्यु हितग्राहीओ के नाम पर राशन का उठाओ आदि का भ्रष्टाचार का किया जाना स्पष्ट प्रमाणित हो रहा है।

पुलिस द्वारा कबाड़ माफिया पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा,03 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा-दर्री थाना क्षेत्र से एक बार फिर कबाड़ माफिया पर बड़ी कार्यवाही की गयी हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस ने देर रात पेट्रोलिंग के दौरान लगभग 2 बजे रेल पटरियों के भारी लोहे और गैस सिलेंडरों से भरा एक वाहन बिना नंबर का पकड़ा। बताया जा रहा हैं की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह पूरा माल चोरी कर अवैध रूप से कबाड़ के रूप में बेचने की तैयारी की जा रही थी। जानकारी के अनुसार वाहन में बड़ी मात्रा में रेल लाइन का कटा हुआ लोहा और गैस सिलेंडर लोड था। पुलिस को देखते ही वाहन चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस ने नीलगिरी बस्ती, फर्टिलाइजर के निकट टेकरा मोहल्ला में स्थित रावन नामक युवक के घर से करीब 20 नग कटी हुई रेल पटरियाँ बरामद की। जिसे पुलिस द्वारा जब्त किया गया है। कुछ दिन पहले बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में भी रेलवे पटरियों और गैस सिलेंडर से भरा वाहन पकड़ा गया था। लगातार हो रही बरामदगी यह साफ करती है कि जिले में कबाड़ चोरी का एक बड़ा संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जो रेलवे संपत्ति को लगातार निशाना बना रहा है। पुलिस ने बताया कि पूरे गिरोह की पहचान की जा रही है तथा अभियान को और तेज कर बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी जल्द किया जाएगा।

वनडे में विराट कोहली का धमाका

लगातार जड़ा दूसरा शतक ऋतुराज का भी कमाल

रायपुर,03 दिसम्बर 2025। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर शानदार शतक जड़कर दर्शकों का दिल जीत लिया। रायपुर में पहली बार हो रहे वनडे में भारी संख्या में दर्शक पहुंचे, जिसके चलते स्टेडियम तक आने वाले मार्गों पर लंबा जाम लग गया। तेलीबांधा चौक पर दो किलोमीटर लंबा जाम देखने को मिला। मैच की शुरुआत में भारत ने लगातार 20 वां टॉस गंवाया और दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजी का फैसला किया। सुरक्षात्मक इंतजामों के बीच भी एक फैन मैदान में घुस आया, जिसे तुरंत सुरक्षाकर्मियों ने बाहर ले जाया गया।

भारतीय बल्लेबाजी की सबसे बड़ा क्षण रहा कोहली का शतक। उन्होंने 91 गेंदों में 101 रन पूरे किए और अपनी पारी में सात चौके व दो छक्के लगाए। यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी लगातार तीसरी शतकीय पारी है विश्व कप 2023, रांची वनडे और अब रायपुर। रांची में उन्होंने 135 रन बनाए थे और सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ते हुए किसी एक फॉर्मेट में 51 से अधिक शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे।

कोहली से पहले ऋतुराज गायकवाड़ ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक जमाया। उन्होंने 77 गेंदों में शतक पूरा किया और कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। कोहली आखिर में 93 गेंदों में 102 रन बनाकर लुंगी एनगिडी की गेंद पर कैच आउट हुए। इस पारी के बाद कोहली आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भी चौथे स्थान पर पहुंच चुके हैं। रायपुर में जारी यह मुकाबला टीम इंडिया के लिए अब तक इतिहास के लिहाज से खास रहा है, क्योंकि यहां भारत ने कोई वनडे नहीं गंवाया है।

सुरक्षा में सेंध,मैच के बीच विराट कोहली के करीब पहुंचा फैन,छुए पैर

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर शानदार प्रदर्शन के दम पर चर्चा में हैं। कोहली ने केवल 47 गेंदों में अपना 76वां वनडे अर्धशतक पूरा किया और दर्शकों का दिल जीत लिया। मैच के दौरान एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई, जब ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान एक प्रशंसक सुरक्षा घेरे को तोड़कर कोहली के पास पहुंच गया और उनके पैर छू लिए। यह घटना नई नहीं है। इससे पहले रांची में खेले गए पहले वनडे में भी एक फैन कोहली के बेहद करीब पहुंच गया था। उस मैच में कोहली ने शानदार 135 रन की पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का 52वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 83वां शतक जड़ा था।

कोहली फिलहाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी एक प्रारूप में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। उन्होंने 294 पारियों में यह उपलब्धि हासिल कर महान सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। वनडे क्रिकेट में भी कोहली 49 शतकों के साथ सचिन से आगे हैं। विराट कोहली रायपुर में खेले जा रहे वनडे मुकाबले में 93 गेंदो में 102 बना कर आउट हो गए।

लगातार दो मैचों में सुरक्षा उल्लंघन ने आयोजन समितियों को सतर्क कर दिया है। हालांकि इन घटनाओं के बावजूद कोहली का फोकस और फॉर्म दोनों बरकरार हैं, और उनके प्रदर्शन ने भारत की जीत की उम्मीदों को और मजबूत किया है।

साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

शुभमन और हार्दिक की वापसी...वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2025। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। जसप्रीत बुमराह को वनडे से आराम देकर टी-20 में शामिल किया गया। हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल की भी टीम में वापसी हुई। टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी।

बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। बुधवार को ही रायपुर में बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जर्सी भी लॉन्च की।

टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। उपकप्तान शुभमन गिल करीब दो हफ्ते बाद वापसी करेंगे। हालांकि,फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही वे मैच खेल पाएंगे। कोलकाता टेस्ट में उन्हें चोट लगी थी। हार्दिक पंड्या भी 73 दिन बाद टीम में लौट रहे हैं। वे एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल,अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा,हार्दिक पंड्या,शिवम दुबे,अक्षर पटेल,जितेश शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर),जसप्रीत बुमराह,वरुण चक्रवर्ती,अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव,हर्षित राणा,वाशिंगटन सुंदर।

रिंकू और रेड्डी को मौका नहीं

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा रहे रिंकू सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को स्क्वॉड में मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रिंकू को एक ही मुकाबला खिलाया गया, लेकिन उनकी बैटिंग नहीं आ सकी। वे फिलहाल मुश्ताक अली टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश के लिए टी-20 खेल रहे हैं।

रायपुर में वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च

बीसीसीआई ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी भी लॉन्च कर दी। रायपुर में बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया की मौजूदगी में जर्सी लॉन्च हुई। इस दौरान टी-20 टीम के तिलक वर्मा और टूर्नामेंट के ब्रांड एम्बेसडर रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

हार्दिक पंड्या ने मुश्ताक अली में फिफ्टी लगाई

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप में चोटिल हो गए थे। सुपर-4 स्टेज के मैच में लगी चोट की वजह से वे 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल नहीं खेल सके। इसके बावजूद टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था।हार्दिक ने अब घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिफ्टी लगाकर वापसी की। उन्होंने बड़ौदा से खेलते हुए 77 रन बनाने के साथ 1 विकेट भी लिया था।

शुभमन कोलकाता टेस्ट में इंजर्ड हुए थे

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में बैटिंग के दौरान स्वीप शॉट खेलने के बाद उन्हें गर्दन में खिंचाव महसूस हुआ। जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां सामने आया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए फिलहाल फिट नहीं हैं। उप कप्तान गिल को टी-20 टीम में मौका जरूर मिल गया, लेकिन वे शायद शुरुआती मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं। उन्हें मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मुकाबले में उतारा जाएगा।

9 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

रायपुर में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। 6 दिसंबर को तीसरा वनडे खेला जाएगा। फिर 9 दिसंबर से 5 टी-20 की सीरीज शुरू हो जाएगी। 5 मुकाबले 9, 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को खेले जाएंगे। जिसके वेन्यू कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद हैं। वर्ल्ड कप की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज दोनों ही टीमों के लिए अहम है।

टी-20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड

ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्या और ट्रिस्टन स्टब्स।

मैं वापस नहीं आ रही हूँ...

सेरेना विलियम्स ने वापसी की अफवाहों को खारिज किया

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2025। टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि वह खेल के एंटी-डोपिंग निकाय के साथ हाल ही में पंजीकरण के बावजूद पेशेवर टेनिस में वापस नहीं आ रही हैं, जिससे संभावित वापसी की अटकलों को बल मिला है, ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार। सेरेना ने अंतर्राष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) में पुनः नामांकन कराया है, जिससे 23 बार की महिला एकल प्रमुख चैंपियन और चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के लिए अप्रत्याशित रूप से प्रतिस्पर्धा में वापसी की अटकलों को बल मिला है - इनमें से तीन स्वर्ण पदक उन्होंने अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ युगल में अर्जित किए थे। हालांकि, सेरेना ने एक एक्स पोस्ट में कहा, हे भगवान, मैं वापस नहीं आऊंगी। यह जंगल की आग पागलपन है।

बॉलीवुड-समाचार

अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के रिश्तों में आ गई थी खटास,डायरेक्टर ने इस वजह से कर दिया बाहर...

प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार के कथित अफेयर की चर्चा बीटाउन में एक समय बहुत ज्यादा थी। अब इस पर निर्माता सुनील दर्शन ने एक बयान दिया है। उन्होंने बताया कि बरसात फिल्म के दौरान दोनों के बीच कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं, जिसके कारण उन्हें अक्षय या प्रियंका में से किसी एक को चुनना पड़ा।

बॉलीवुड में कथित अफेयर्स,सीक्रेटरिलेशनशिप और पर्दे के पीछे की तकरार की सैकड़ों कहानियां मौजूद हैं। अक्सर साथ में काम कर रहे एक्टर्स के बीच इस तरह की नजदीकियां बढ़ना आम बात है। ऐसा ही एक चर्चित किस्सा है प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार का।

सुनील कुमार को लेना पड़ा था कठिन फैसला

दोनों ने पर्दे पर एक-दूसरे के साथ इतनी अच्छी केमिस्ट्री दिखाई कि लोगों को लगा कि असल जिंदगी में भी कुछ चल रहा है। निर्माता सुनील दर्शन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इसी बारे में बात की और एक किस्सा साझा किया जब उन्हें इन दोनों सितारों में से एक का चुनाव करने का बेहद कठिन फैसला लेना पड़ा।

एक-दूसरे को डेट कर रहे थे प्रियंका और अक्षय

सुनील से जब प्रियंका और अक्षय के लव अफेयर के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, वे अच्छा काम कर रहे थे और एक-दूसरे के साथ काफी सहज थे। उन्होंने साथ में ऐतराज जैसी फिल्में कीं, जो असल में प्रियंका नहीं करना चाहती थीं। वह मेरे पास आईं और कहा कि उन्हें वैम्प का रोल दिया गया है। मैंने स्क्रिप्ट देखी और महसूस किया कि फिल्म में उनका रोल सबसे अहम है। मैंने उन्हें अपने ऑफिस बुलाया और तुरंत फिल्म साइन करने को कहा।

दोनों के साथ फिल्म बनाना हो रहा था मुश्किल

चीजें बरसात के टाइम से खराब होना शुरू हुईं। ये फिल्म साल 2005 में रिलीज हुई थी जिसमें अक्षय कुमार लीडरोल में थे। इसमें प्रियंका और कटरीनाकैफ भी थे। हमने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी और अक्षय और प्रियंका के साथ टाइटल ट्रैक भी शूट हो चुका है। फिर पर्दे के पीछे बहुत सी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं घटीं और एक समय मुझे एहसास हुआ कि मैं उन दोनों के साथ यह फिल्म नहीं कर पाऊंगा मुझे किसी एक को चुनना होगा।÷

कटरीना कैफ ने भी छोड़ दी थी फिल्म

दर्शन ने आगे कहा,वक्त वक्त की बात होती है। उस समय जो भी हुआ, मेरा तर्क सीधा था,अगर आपने कोई गलती की है,तो उसका खामियाजा किसी फीमेल स्टार को क्यों भुगतना पड़े? मैंने प्रियंका को चुना लेकिन मेरे लिए ये फैसला लेना बहुत दुखदायी था क्योंकि मैंने फिल्म की काफी शूटिंग पूरी कर ली थी और मुझे सब दोबारा रिशूट करना था। इसके बाद मेरे एक दोस्त ने बॉबीदेओल का नाम सुझाया। वहीं कटरीना ने भी फिल्म से किनारा कर लिया और उनकी जगह फिर बिपाशाबसु को कास्ट किया गया।

भारत में फतह करने के बाद अब इस देश में रिलीज होगी पुष्पा 2

सुकुमार निर्देशित ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2: द रूल (पुष्पा 2: द रूल) अब जापान में अपना जलवा बिखेरने को तैयार है। अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को जापान में रिलीज होगी। गीक पिक्चर्स इंडिया इसकी डिस्ट्रीब्यूटर है। रश्मिका ने इसका ट्रेलर भी शेयर किया है। निर्देशक सुकुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2: द रूल एक बार फिर से सिनेमाघरों में तहलका मचाने के लिए तैयार है। इस मूवी में अल्लू अर्जुन,रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिका में थे। अब ये फिल्म भारत नहीं बल्कि विदेश में अपना जलवा बिखेरने वाली है।

किस दिन रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म अगले साल 16 जनवरी को जापान में रिलीज होने वाली है। जापान में फिल्म की डिस्ट्री ब्यूटर गीक पिक्चर्स इंडिया ने अपनी एक्स टाइमलाइन पर इसकी घोषणा की। इसमें लिखा है, कोनिचिवा, निहोननोतोमोयो भारतीय सिनेमा की हिट फिल्म जापान में पूरी ताकत के साथ छा जाने के लिए तैयार है! पुष्पा राज 16 जनवरी, 2026 को जापान पर कब्जा कर लेगी और जंगल की आग की तरह फैल जाएगी । सुपरहिट फ्रैंचाइज़ी में लीड रोल निभा रही एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने भी अपनी एक्स टाइमलाइन पर फिल्म की रिलीज के बारे में ट्वीट किया और फिल्म के जापानी ट्रेलर का लिंक शेयर किया।

1700 करोड़ थी फिल्म की कमाई

क्या है पुष्पा 2 की कहानी?

आपको बता दें कि पुष्पा 2 थिएटर रिलीज के बाद से ही दर्शकों के बीच खूब चर्चा में थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे किए थे। इसके अलावा 17 जनवरी को इसका एक रिलोडेडवर्जन भी आया था जिसमें 20 मिनट की एक्स्ट्राफुटेज दिखाई गई थी। पुष्पा 2: द रूल,का निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म की कहानीपुष्पा राज के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ऐसा व्यक्ति,जो अपना सब कुछ छिन जाने के बाद यह निर्णय लेता है कि वह जीवन में किसी से कुछ भी नहीं खोएगा। इसके बाद वो गैर कानूनी तरीके से लाल चंदन की स्मगलिंग करने लग जाता है। फिल्म 5 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर भड़कीं रश्मिका मंदाना,बोलीं...महिलाओं को किया जा रहा टारगेट

सालों पहले साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का एआई की मदद से डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। अब एक बार फिर से एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर रश्मिका ने आवाज उठाई है और इसे महिलाओं के लिए बड़ा खतरा बताया है।

एआई के गलत इस्तेमाल का लेकर समय-समय पर सेलेब्स की तरफ से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आती रहती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी के मिस यूज को लेकर सितारों ने आवाज उठाई है। इस मामले को लेकर साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का नाम काफी चर्चा में रहा है।

डीपफेक वायरल वीडियो को लेकर सुर्खियां बटोरने वालीं रश्मिका ने एक बार फिर से एआई को लेकर भड़ास निकाली है और इसे महिलाओं के लिए बड़ा खतरा बताया है। आइए जानते हैं कि रश्मिका ने क्या-क्या कहा है।

एआई को लेकर रश्मिका ने जताई चिंता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गलत इस्तेमाल लेकर रश्मिका मंदाना ने चिंता जताई है। रश्मिका ने इस मामले को लेकर अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक लेटेस्ट ट्वीट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने तीखी शब्दों में एआई के मिस यूज को लेकर अपनी भड़ास निकाल है। एक्ट्रेस ने लिखा है- जब सच बनाया जा सकता है तो समझदारी सबसे बड़ी सुरक्षा बन जाती है। एआई तरक्की के लिए एक बड़ा माध्यम है। लेकिन अश्लीलता फैलाना और खासतौर पर महिलाओं को टारगेट करने के लिए इसका गलत इस्तेमाल कुछ लोगों की मानसिकता का संकेत देता है। याद रखें, इंटरनेट अब सच का आईना नहीं रहा।

इस मूवी में नजर आएंगी रश्मिका

इस साल सिकंदर,छावा,थामा और द गर्लफ्रेंड जैसी कई फिल्मों में नजर आने वालीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आने वाले साल में भी बड़े पर्दे पर धमाल मचाती हुई नजर आएंगी। मौजूदा समय में साउथ एक्ट्रेस अपकमिंग हिंदी फिल्म कॉकटेल की शूटिंग में बिजी चल रही हैं,अनुमान है कि 2026 में उनकी ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज की जाए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित हुए कैबिनेट की बैठक

200 यूनिट बिजली खपत पर 50 प्रतिशत की छूट

400 यूनिट यूज करने वालों को भी राहत,इससे ज्यादा उपयोग पर नहीं मिलेगा योजना का लाभ

रायपुर,03 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को महानदी भवन में कैबिनेट मीटिंग हुई। बैठक में बिजली बिल को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। राज्य में 1 दिसंबर 2025 से मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान लागू किया गया है। इसके तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट के बजाय 200 यूनिट तक बिजली बिल पर 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह राहत 400 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं को भी मिलेगी। इसके तहत 200 से 400 यूनिट तक बिजली खर्च करने वाले परिवारों को अगले एक साल 200 यूनिट तक हाफ बिल ही देना होगा। ताकि वे इस दौरान अपने घरों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सके। इससे लगभग 6 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होगा। वहीं 400 यूनिट से ज्यादा खपत पर योजना का लाभ नहीं मिलेगा। बता दें कि 4 महीने पहले यानी 1 अगस्त 2025 को सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना पर बड़ा बदलाव किया था। भूपेश सरकार के समय लागू 400 यूनिट की सीमा को घटाकर 100 यूनिट कर दिया था। इस बदलाव का असर सीधे-सीधे लाखों परिवारों पर पड़ा था। बिल लगभग डबल हो गया था। विपक्षी दलों ने विरोध जताया। इसके बाद साय सरकार ने 100 यूनिट को बढ़ाकर 200 यूनिट बिजली बिल हाफ योजना की घोषणा की। सीएम साय ने विधानसभा के विशेष सत्र के समापन पर इसका ऐलान किया था। 1 दिसंबर से नई योजना लागू हुई थी।

42 लाख उपभोक्ताओं को राहत...

मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान से प्रदेश के 42 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, वहीं प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का लाभ प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा। गौरतलब है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राज्य शासन की ओर से सब्सिडी दी जा रही है, जिसके तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 15,000 रुपए और 2 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। सरकार का दावा है कि यह व्यवस्था राज्य में सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करेगी और आने वाले समय में उपभोक्ताओं को हाफ बिजली से फ्री बिजली की ओर ले जाएगी।

नई बिजली बिल हाफ योजना को समझिए उदाहरण सहित

अगर कोई परिवार हर महीने 200 यूनिट बिजली खर्च करता है, तो उसका औसत बिल अभी लगभग 840 से 870 रुपए के बीच आता है। इसमें पहले 100 यूनिट का रेट 4 .10 प्रति यूनिट और अगले 100 यूनिट का रेट 4 .20 प्रति यूनिट है। अब नई योजना के तहत 200 यूनिट तक हाफ बिल स्कीम लागू है। यानी उपभोक्ता को सिर्फ आधा भुगतान करना होगा। पहले 100 यूनिट का बिल 410 से 450 तक होता है, जो अब आधा होकर 205 से 225 के बीच रह जाएगा। दूसरे 100 यूनिट (100-200) के लिए बिल 840 से 870 तक आता है, जो अब समान रहेगा, क्योंकि यह 200 यूनिट की सीमा में ही है। कुल मिलाकर 200 यूनिट पर उपभोक्ता को लगभग 420 से 435 की सीधी राहत मिलेगी। यानी जो उपभोक्ता पहले 1250-1300 तक का बिल देते थे, अब उन्हें सिर्फ 800-850 का ही बिल चुकाना पड़ेगा।

जनता को राहत,लेकिन विभाग पर बढ़ेगा भार...

सरकार का नया मसौदा लागू होते ही राज्य सरकार पर सैकड़ों करोड़ रुपए का अतिरिक्त सब्सिडी भार बढ़ेगा। जानकारों के मुताबिक योजना के तहत गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब पर पड़ रहा दबाव कम होगा। बिजली बिलों का भुगतान भी नियमित रूप से हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ का राजभवन हुआ लोकभवन,सभी प्रमुख प्रवेश, प्रस्थान द्वार पर नए नेम प्लेट लगे

रायपुर,03 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राजभवन अब ''लोकभवन'' के नाम से जाना जाएगा। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी पत्र के अनुसार राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर प्रसन्ना ने राजभवन का नाम परिवर्तित कर लोकभवन करने का आदेश आज जारी कर दिया है। और आज राजभवन के सभी प्रमुख प्रवेश, प्रस्थान द्वार पर नए नेम प्लेट लगा दिए गए हैं। ऐसे करीब 7 जगह लगाए गए हैं। राज्यपाल के सचिव ने बताया कि राज्यपालों के सम्मेलन-2024 में राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन करने का सुझाव दिया गया था। इसी के अनुरूप गृह मंत्रालय द्वारा जारी पत्र के परिपालन में अब से सभी शासकीय प्रयोजनों के लिए राजभवन का नाम लोकभवन के नाम से पढ़ा एवं लिखा जाएगा।

आरपीएफ जवान ने हेड कॉन्स्टेबल को 4 गोली मारी,सिर पर फायरिंग,रायगढ़ आरपीएफ पोस्ट सील,ड्यूटी में विवाद के दौरान हत्या

रायपुर,03 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आरपीएफ पोस्ट के भीतर ड्यूटी के दौरान हुए विवाद में एक आरपीएफ हेड कॉन्स्टेबल ने अपने ही साथी प्रधान आरक्षक पर गोली चला दी। गोली लगने से पीके मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार,गोली चलाने वाले जवान का नाम एस लादेर है। वह जांजगीर-चांपा का रहने वाला है। मृतक हेड कॉन्स्टेबल पीके मिश्रा मध्यप्रदेश के रीवा जिले के रहने वाले थे। दोनों बैचमेट थे और उनकी ड्यूटी रात में लगी थी। तड़के करीब 4 बजे किसी बात को लेकर विवाद हुआ, और एस लादेर ने पीके मिश्रा के सिर पर चार राउंड फायर कर दिए,जिससे उनकी मौत हो गई।

कलेक्टर गाइडलाइन दरों में 100 फीसदी से 800 फीसदी तक वृद्धि

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा...जनविरोधी फैसला तुरंत स्थगित हो,पुरानी दरें बहाल हों...

रायपुर, 03 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश में जमीन खरीदी-बिक्री के लिए कलेक्टर गाइडलाइन दरों में अचानक 100 फीसदी से लेकर 800 फीसदी तक की भारी वृद्धि के बाद किसान, छोटे व्यापारियों,मध्यम वर्ग और आम नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया है, बिना जन-सुनवाई,बिना वास्तविक मूल्यांकन और बिना सार्वजनिक चर्चा के लागू की गई गाइडलाइन वृद्धि को लेकर रायपुर सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को कड़ा पत्र लिखकर जनभावनाओं से अवगत कराया है,सांसद अग्रवाल ने कहा है कि यह वृद्धि किसानों को कर्ज में धकेलने वाला,छोटे व्यवसायियों को तोड़ने वाला और आम जनता पर बोझ बढ़ाने वाला कदम है, उन्होंने इस फैसले को 'अनुचित, अप्राकृतिक और अव्यावहारिक' बताते हुए मुख्यमंत्री से इसे तुरंत स्थगित कर पुरानी दरें बहाल करने की मांग की है।

जनता से बिना पूछे जनता पर बोझ...क्या यही नया शासन मॉडल? छत्तीसगढ़ में कलेक्टर गाइडलाइन दरों में 100 प्रतिशत से 800 प्रतिशत तक की अकल्पनीय वृद्धि ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सरकार जनता को आर्थिक भागीदार मानती है...या सिर्फ राजस्व का साधन? दुखद यह नहीं कि दरें बढ़ीं, दुखद यह है कि यह निर्णय बिना किसी सार्वजनिक चर्चा,बिना जनसुनवाई,बिना विशेषज्ञ मूल्यांकन और बिना जमीन के वास्तविक बाजार मूल्य को देखे लागू कर दिया गया,जिस प्रदेश की अर्थव्यवस्था ग्रामीण खून-पसीने से चलती है,वहां किसान और छोटे व्यवसायी पहले से ही संकटों से जूझ रहे हैं,और अब जमीन खरीदी-बिक्री पर ऐसा प्रहार। यह केवल आर्थिक फैसला नहीं,बल्कि एक सामाजिक झटका है,सरकारें आर्थिक सुधार करती हैं, पर सुधार का

पहला सिद्धांत है जनभागीदारी,यहाँ न भागीदारी दिखती है, न संवेदना, गाइडलाइन में 800 प्रतिशत वृद्धि, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'वृद्धि' नहीं, आर्थिक तानाशाही मानी जाती है, सांसद बृजमोहन अग्रवाल का पत्र इसी जनचिंता का प्रतिबिंब है,अगर सत्ता पक्ष का एक वरिष्ठ नेता भी इस फैसले को अनुचित, अव्यावहारिक और जनविरोधी कह रहा है तो सवाल और गहरा हो जाता है, क्या निर्णय पहले लिया गया और सलाह बाद में ली जा रही है? नवा रायपुर और ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि बिल्कुल असंतुलित दिखाई देती है, किसान जमीन नहीं बेच पाएंगे,व्यापारी खरीद नहीं पाएंगे, और मध्यम वर्ग के लिए घर का सपना और दूर हो जाएगा, एक लोकतांत्रिक सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि वह जनता की सुनती है या नहीं, अगर बढ़ी दरें वापस ली जाती हैं तो सरकार की संवेदना सिद्ध होगी, अगर नहीं ली जातीं तो यह संदेश स्पष्ट जाएगा कि जनता की जेब शासन की प्राथमिकता नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है, निर्णय अभी सरकार के हाथ में है पर भरोसा जनता के हाथ से फिसल रहा है।

क्या यही जनजीवन हितैषी शासन है?...सांसद का सवाल

पत्र में सांसद अग्रवाल ने कई गंभीर सवाल उठाए क्या यही 'जनजीवन केंद्रित शासन' है? क्या यही व्यापार करने में आसानी है, जब गाइडलाइन दरें ही कारोबार रोक दें? क्या सरकार चाहती है कि किसान और व्यापारी जमीन खरीदने-बेचने से ही डर जाएं? क्या नई दरें रोजगार, उद्योग और निवेश को खत्म कर देंगी? उन्होंने स्पष्ट कहा कि नई गाइडलाइन ने जमीन बाजार को झटका दिया है, ग्रामीण क्षेत्र से लेकर नया रायपुर तक हजारों लोग प्रभावित हुए हैं।

ग्राम लमारू का उदाहरणः 0.405 हेक्टेयर जमीन का मूल्य 5.17 लाख से बढ़कर 12.79 लाख

उनके अनुसार कई गांवों में गाइडलाइन दरें अतार्किक तरीके से कई गुना बढ़ा दी गई हैं उदाहरणः ग्राम लमारू (रायपुर) पुरानी गाइडलाइनः 5 .17 लाख नई गाइडलाइनः 12 .79 लाख वृद्धिः लगभग 150 फीसदी से भी ज्यादा, नवा रायपुर क्षेत्र के कई गांवों में 400-800 फीसदी तक वृद्धि दर्ज अग्रवाल ने इसे न तो तर्कसंगत और न ही आर्थिक न्याय की दृष्टि से स्वीकार्य बताया।

बिना जनपरामर्श,बिना मूल्यांकन और बिना तर्क यह फैसला किसान विरोधी

सांसद का कहना है कि जमीन का वास्तविक बाजार मूल्य नहीं देखा गया,न ग्रामीण क्षेत्र का अलग मूल्यांकन,न नगर क्षेत्र की अलग जरूरतें, न किसान,न व्यापारी और न आम नागरिक से राय,राज्य के हजारों परिवार प्रभावित उन्होंने चेताया कि इतनी भारी वृद्धि से कृषि भूमि का लेन-देन ठप पड़ जाएगा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था टूटेगी और जमीन खरीद-बिक्री का प्राकृतिक प्रवाह रुक जाएगा।

मुख्यमंत्री को निवेदन जनता के हित में तुरंत पुरानी दरें बहाल करें

अग्रवाल ने मुख्यमंत्री साय से आग्रह किया कि कलेक्टर गाइडलाइन की वृद्धि तुरंत स्थगित की जाए, मूल्य निर्धारण हेतु विशेषज्ञ समिति बनाई जाए, वास्तविक बाजार मूल्य और जनता की आर्थिक क्षमता के अनुसार नई दरें दोबारा तय की जाएं, नवा रायपुर जैसे हल्के बसाहट वाले क्षेत्रों को 'नगरिया' घोषित कर शहर जैसी दरें लागू करना अन्याय है, इसे तुरंत सुधारा जाए, उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मुख्यमंत्री जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस जन-विरोधी वृद्धि को वापस लेने के निर्देश देंगे। अंत में सांसद का बड़ा बयान यह फैसला जनता पर बोझ डालने वाला है, मुख्यमंत्री जी निश्चित ही जनहित में सोचेंगे और गलत फैसले को सुधारेंगे।

धमतरी-रुद्री थाना कांड : क्या सच में 'एसीबी अधिकारी' बनकर लूट या फिर कहानी कुछ और...और बड़ा राज छिपा हुआ है?

एसीबी की वर्दी या कहानी का पर्दा? धमतरी कांड की परतें खुलने लगीं,अपने ही गांव में पहचान छिपाकर लूट? रुद्री केस में बड़ा सवाल

- घर में 8 मोबाइल...किस काम के? एफआईआर से बड़ा है प्रार्थी का राज '
- सीसीटीवी का आधा फुटेज गायब...लूट की कहानी या कहानी की लूट ?
- भाजयुमो अध्यक्ष से बजरंग दल कार्यकर्ता तक...क्या किसी बड़े विवाद का परिणाम है यह एफआईआर ?
- एसीबी अधिकारी बनकर लूट? तीनों आरोपी प्रदेशभर में पहचाने जाते हैं कहानी मेल नहीं खाती...
- धमतरी की एफआईआर में छिपा दूसरा अध्याय...क्या यह सिर्फ लूट नहीं ?
- पहचान छिपाने का दावा, पर आरोपी इलाके के ही! एफआईआर की स्क्रिप्ट पर उठे सवाल...
- एसीबी बनकर लूट या लूट बनाकर एसीबी ? रुद्री कांड की असली दिशा कुछ और बताती है...

विशेष रिपोर्ट

रायपुर/धमतरी,03 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

धमतरी जिले के रुद्री थाना क्षेत्र में दर्ज एक कथित 'एसीबी अधिकारी बनकर लूट' की घटना ने अब कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं,शिकायत में दावा किया गया कि तीन लोग खुद को एंटी-करप्शन ब्यूरो अधिकारी बताकर घर में घुसे,8 मोबाइल और एक लैपटॉप उठाकर चले गए और कार्रवाई की धमकी देकर रायपुर बुलाया,लेकिन क्या यह कहानी उतनी सरल है जितनी बताई गई? दैनिक घटती-घटना की विशेष जांच में कई बड़े विरोधाभास उभरकर सामने आए हैं, जो पूरे मामले को संदिग्ध बनाते हैं और यह सवाल खड़े करते हैं कि क्या वाकई लूट हुई या किसी बड़े विवाद/लेन-देन को 'एसीबी लूट' की कहानी बनाकर पेश किया गया? बता दे की छत्तीसगढ़ की राजधानी से महज कुछ दूरी पर स्थित धमतरी जिला और जिले का रुद्री पुलिस थाना आजकल सुर्खियों में है सुर्खियों की वजह है एक अपराध थाना क्षेत्र में घटित होना जो पहचान छिपाकर लूट के प्रयास का अपराध है और जिसमे शामिल(दर्ज अपराध अनुसार) तीन युवक खुद को एसीबी अधिकारी बताकर घर में दाखिल हुए और उन्होंने घर से मोबाइल 8 नग और लैपटॉप उठाया और चलते बने,शिकायतकर्ता के अनुसार तीनों युवकों ने एसीबी अधिकारी खुद को बताया और कार्यवाही की धमकी देकर मोबाइल लैपटॉप लुटा और बीच का रास्ता निकालने रायपुर बुलाया और चले गए,सीसीटीवी से पहचान हुई और शिकायत दर्ज की गई,यह एक कहानी है जो अपराध दर्ज होने का आधार है,वैसे इस कहानी के बाद कई सवाल भी उठ रहे हैं,पहला सवाल यह की कोई व्यक्ति जो प्रसिद्ध हो और जिसकी पहचान पूरे प्रदेश में हो वह अपने ही घर गांव में किसी के घर जाकर क्या खुद की अलग पहचान बताएगा,क्या उसे यह भय नहीं होगा कि जिन्हें वह खुद को एसीबी अधिकारी के रूप में परिचय दे रहा है वह उसे तत्काल पहचान लेंगे और वह पकड़ा जाएगा,शिकायत में शामिल एक नाम जिस व्यक्ति का है वह बजरंग दल का बड़ा नेता है और वह घटना वाले जिले ग्राम से बिल्कुल निकट का निवासी है जहां उसकी पहचान सभी के बीच जाहिर है,कहानी जो शिकायत बनी और अपराध दर्ज हुआ और दो युवक गिरफ्तार हुए एक अन्य फरार घोषित किया गया जिसकी तलाश जारी है,वैसे पुलिस का काम कानून व्यवस्था स्थापित करना है,लोगों से साथ घटित अपराध पर तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही करना है,और अपराध घटित न हो यह प्रयास करना है,शिकायतकर्ता ने शिकायत की और पुलिस ने अपराध दर्ज किया और गिरफ्तारी भी की।

पहला बड़ा सवालः क्या कोई अपने ही गांव क्षेत्र में एसीबी अधिकारी बनकर लूट करेगा?

शिकायत में दर्ज तीन नामों में से एक आरोपीः उसी इलाके का निवासी,बजरंग दल का जाना-पहचाना कार्यकर्ता,जिला व प्रदेश स्तर तक पहचान वाला व्यक्ति,अब सवाल यह है जो व्यक्ति इलाके में जाना-पहचाना है,वह अपने ही गांव के लोगों को कैसे यह विश्वास दिला देगा कि वह 'एसीबी अधिकारी' है? क्या उसे यह डर नहीं होगा कि लोग तुरंत पहचान लेंगे? क्या यह संभव है कि गांव के ही आसपास जाकर वह अपनी पहचान छिपा ले? यह बिंदु ही पूरे मामले की जड़ हिला देता है।

दूसरा बड़ा सवालः भाजयुमो कोरिया जिलाध्यक्ष सहित तीन नाम...क्या सियासी साजिश या गलत कहानी?

दर्ज अपराध में शामिल एक नाम कोरिया भाजयुमो जिले के अध्यक्ष का है,इससे बड़ा सवाल उठता है क्या तीनों युवा सच में 'एसीबी बनकर' गए थे या यह किसी दूसरे विवाद/लेन-देन का मामला है जिसे अब 'लूट' की कहानी में बदल दिया गया? धमतरी व कोरिया दोनों जिलों में भाजपा व हिंदू संगठनों के भीतर अब इस घटना को लेकर भारी सरगर्मी है।

तीसरा बड़ा सवालः प्रार्थी के घर में 8 मोबाइल फोन...क्यों?

शिकायतकर्ता ने पुलिस में प्रस्तुत शिकायत में यह आरोप लगाया है कि उसके घर से लैपटॉप और 8 नग मोबाइल तीनों युवक एसीबी अधिकारी बनकर ले गए,आरोप अनुसार पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और जब्ती की भी बातें सामने आई,अब इसके इतर सवाल यह है कि एक व्यक्ति के घर पर 8 मोबाइल किस उपयोग के लिए उपलब्ध था,सामान्यतः एक घर में दो से चार मोबाइल मिलना अचरज का विषय नहीं होता वहीं प्रार्थी खुद बाहर था तो 8 मोबाइल कौन उपयोग कर रहा था और किस लिए किस काम में मोबाइल का उपयोग हो रहा था,क्या पुलिस जांच में इन बिंदुओं को शामिल किया गया है,क्या बात कुछ और और कहानी कुछ और है। सबसे बड़ा और संदेहपूर्ण तथ्य एक घर में 8 मोबाइल क्यों? प्रार्थी घटना के समय घर पर नहीं था, घर में मौजूद कौन लोग 8 मोबाइल का उपयोग कर रहे थे? क्या कोई अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग? क्या कोई मल्टी-डिवाइस ऑपरेशन? क्या यह किसी और गतिविधि का 'कवर-अप' था? 8 मोबाइल सामान्य घरेलू संख्या नहीं है, इसलिए यह बिंदु जांच का केंद्र होना चाहिए था पर पुलिस ने इस दिशा में कोई गहन पड़ताल नहीं की।

चौथा बड़ा सवालः सीसीटीवी फुटेज में घर में प्रवेश तो दिखा...मगर बाहर निकलते समय का फुटेज कहां गायब?

शिकायत में कहा गया कि तीन लोग घर में दाखिल हुए और 8 मोबाइल व लैपटॉप उठाकर ले गए,घर में प्रवेश का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है, लेकिन सवाल यह है जब अंदर जाते हुए फुटेज है,तो बाहर निकलते समय का फुटेज क्यों नहीं? घर का वही कैमरा उन्हें दोबारा रिकॉर्ड करता, फिर फुटेज कहां है? किसने हटाया? क्या पुलिस ने यह फुटेज मांगा? क्या यह फुटेज ही असली कहानी का खुलासा कर सकता था?

पांचवा बड़ा सवालः पुलिस की जल्दबाजी इतना बड़ा मामला प्रथमदृष्टया जांच का था,सीधी गिरफ्तारी का नहीं

रुद्री पुलिस ने बिना विस्तृत जांच किएः एफआईआर दर्ज की,दो को गिरफ्तार किया, एक को फरार घोषित किया मगर क्या यह मामला टैक्निकल जांच,डिजिटल सबूत, कॉल डिटेल, डिवाइस फोरेंसिक के बिना दर्ज होना चाहिए था? यह सीधे गिरफ्तारी वाला मामला नहीं बल्कि डीप इन्वेस्टिगेशन का केस था।

छठवा बड़ा सवालः प्रार्थी ने पहचान क्यों नहीं की क्या यह संभव है?

तीन में से दो लोग प्रदेश स्तर पर पहचाने जाते हैं,एक भाजपा युवा मोर्चा कोरिया जिलाध्यक्ष,दूसरा बजरंग दल का धमतरी का बड़ा कार्यकर्ता इनकी पहचान इतनी प्रसिद्ध है कि किसी भी गांव में छिपाई नहीं जा सकती,फिर प्रार्थी ने कैसे विश्वास कर लिया कि वे 'एसीबी अधिकारी' हैं? क्या प्रार्थी ने जानबूझकर पहचान नहीं की? या क्या यह पूरा प्रकरण किसी पूर्व विवाद का परिणाम है? यह जांच का प्रमुख बिंदु है।

भाजयुमो कोरिया अध्यक्ष के पद पर लगातार 'ग्रहण' दो अध्यक्ष,दो अपराध

पूर्व अध्यक्ष अंचल राजवाड़े आदिवासी के साथ ठगी के मामले में बर्खास्त, वर्तमान अध्यक्ष हितेष प्रताप सिंह अब धमतरी लूट मामले में आरोपी,दोनों ही पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष की पसंद थे अब कोरिया भाजपा में चर्चा तेज है कि जिला भाजयुमो अध्यक्ष का पद ही क्यों लगातार विवादों में आ रहा है? पार्टी पर दबाव है कि वर्तमान अध्यक्ष को भी पूर्व अध्यक्ष की तरह हटाया जाए,भाजयुमो कोरिया जिला अध्यक्ष रहते हुए पूर्व अध्यक्ष अंचल राजवाड़े पर मामला दर्ज हुआ था उन्हें पार्टी की छवि बचाने निष्कासित किया गया था और तभी से आजतक वह पार्टी में पद के लिए प्रयासरत हैं जो उनकी छवि के कारण प्रदान नहीं की जा रही है वहीं अब वर्तमान पर मामला दर्ज हुआ है और अब देखना है कि क्या भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी छवि बचाने के लिए हितेश प्रताप सिंह को पार्टी और पद से निष्कासित करते हैं।

एसीबी लूट की कहानी में कई बड़े छेद,मामला कुछ और लगता है...

जांच के सामने आए तथ्यों से यह साफ है कि एसीबी अधिकारी बनकर लूट की कहानी संदिग्ध है,प्रार्थी के घर में 8 मोबाइल अपने आप में गंभीर प्रश्न है, सीसीटीवी का आधा फुटेज गायब है,आरोपी प्रसिद्ध लोग थे,पहचान छिपाना असंभव, राजनीतिक दबाव और आपसी विवाद की आशंका,पुलिस ने पर्याप्त जांच से पहले ही गिरफ्तारी की यह मामला सिर्फ एसीबी बनकर लूट नहीं कहीं बड़ा विवाद,विवादित लेन-देन या छुपी सच्चाई का संकेत दे रहा है,अब यह पुलिस की जिम्मेदारी है कि मोबाइलों की फोरेंसिक जांच, प्रार्थी की कॉल डिटेल,सीसीटीवी के गायब फुटेज, तीनों युवकों और प्रार्थी के बीच पुराने संबंध,संभावित आर्थिक विवाद की विस्तृत जांच करे।

दैनिक घटती-घटना का संपादकीय डिस्क्लेमर....जांच-आधारित नोट

दैनिक घटती-घटना ने इस पूरे प्रकरण को उपलब्ध तथ्यों,सामने आए विरोधाभासों,उठते सवालों और संभावनाओं के आधार पर तैयार किया है,पुलिस जांच पूरी होने तक घटनाक्रम के हर पहलू पर हमारी निगरानी बनी हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)